Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 11
अंक : 11
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
रविवार, 18 जनवरी, 2026

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

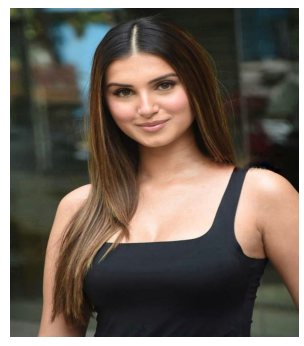

3 मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की उपस्थिति में ...

4 हार की ज़िम्मेदारी, जीत का संयमः देवेंद्र ...

7 नोवाक जोकोविच ने अल्काराज़ -सिनर को ...

'जहां गोलियों की गूंज थी, आज वहां संगीत'

बोले- राज्य बना रहा नई पहचान

गुवाहटी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को असम के गुवाहाटी में आयोजित बोडो समुदाय के पारंपरिक सांस्कृतिक कार्यक्रम 'बागुरुम्बा द्वौ 2026' में भाग लिया, जहां उन्होंने पारंपरिक वाद्य यंत्र 'सेर्जा' बजाने का प्रयास किया। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बोडो समुदाय के 10,000 से अधिक कलाकार एक साथ मिलकर बागुरुम्बा नृत्य प्रस्तुत किया। मोदी ने कहा कि मेरा सौभाग्य है कि असम की संस्कृति, यहां की बोडो परंपराओं को करीब से देखने का अवसर मिलता रहा है। प्रधानमंत्री के तौर पर जितनी बार मैं असम आया हूं, पहले कोई और पीएम इतनी बार नहीं आया है।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि मेरी हमेशा यह इच्छा रही है कि असम की कला और संस्कृति को बड़ा मंच मिले। भव्य आयोजनों के जरिए इसकी पहचान देश और दुनिया में बने। इसके लिए पहले भी लगातार प्रयास होते रहे हैं। बड़े स्तर पर बिहू से जुड़े आयोजन हों, दिल्ली में सवा साल पहले हुआ भव्य बोडोलैंड महोत्सव हो या दूसरे सांस्कृतिक कार्यक्रम हों। असम की कला और संस्कृति में जो अद्भुत आनंद है, उसे पाने का मैं कोई भी मौका नहीं छोड़ता हूं। मोदी ने कहा कि बागुरुम्बा

दहोउ, ये केवल एक उत्सव नहीं है, ये एक माध्यम है, हमारी महान बोडो परंपरा को सम्मान देने का। ये एक माध्यम है, बोडो समाज की महान विभूतियों को याद करने का। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार, असम की हर विरासत, हर गौरव का सम्मान अपना सौभाग्य समझती है। संयोग से आज ज्योति प्रसाद अग्रवाला जी की पुण्यतिथि भी है। मैं उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। उन्होंने कहा कि असम का आत्मविश्वास, असम का सामर्थ्य और असम की प्रगति से भारत की ग्रोथ स्टोरी को नई शक्ति मिल रही है। आज असम तेजी से आगे बढ़ने वाले राज्यों में अपनी पहचान बना रहा है। असम की अर्थव्यवस्था गति पकड़ रही है। इस विकास में, इस बदलाव में बोडोलैंड और यहां के लोग अहम भूमिका निभा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं यह सोचकर भावुक हो रहा हूं कि मेरा असम कितना आगे बढ़ रहा है। एक समय, जहां आए दिन रक्तपात होता था, आज वहीं संस्कृति के अद्भुत रंग सज रहे हैं। एक समय, जहां गोलियों की गूंज थी, आज वहां खाम और सिफुंग की मधुर ध्वनि है। पहले जहां कर्फ्यू का सन्नाटा होता था, आज वहां संगीत के सुर गूंज रहे हैं। पहले जहां अशांति और अस्थिरता थी, आज वहां बागुरुम्बा की ऐसी प्रस्तुतियां होने जा रही हैं। ये उपलब्धि सिर्फ असम की नहीं है, पूरे भारत की है। असम के इस बदलाव पर हर देशवासी को गर्व है। मोदी ने कहा कि 2020 के बोडो शांति समझौते ने वर्षों से चले आ रहे संघर्ष पर विराम लगाया। इस समझौते के बाद भरोसा लौटाष्ठ और हजारों युवाओं ने हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा को अपना लिया। प्रतिभाशाली बोडो युवा आज असम के सांस्कृतिक दूत बन रहे हैं। खेल के क्षेत्र में भी बोडो समाज के बेटे-बेटियां नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब हम असम की कला, संस्कृति और पहचान का सम्मान करते हैं, तो कुछ लोग ऐसे भी हैं, जिन्हें तकलीफ हो जाती है। असम का सम्मान किस पार्टी के लोगों को अच्छा नहीं लगता – कांग्रेस पार्टी। वो कौन सी पार्टी है, जिसने भूपेन हजारिका जी को भारत रत्न देने का विरोध किया था – कांग्रेस पार्टी। असम में सेमीकंडक्टर यूनिट का विरोध किस पार्टी ने किया था – कांग्रेस के कर्नाटक सरकार के मंत्री ने।

हिमाचल के मुख्यमंत्री ने केंद्र से व्यस्त सत्र में सेब आयात पर प्रतिबंध लगाने को कहा

चड़ीगढ़। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने नयी दिल्ली में केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने जुलाई से नवंबर तक सेब उत्पादन के महीनों में सेब के आयात पर प्रतिबंध लगाने का आग्रह किया।उन्होंने शुक्रवार देर शाम हुई इस बैठक में गोयल से अन्य महीनों में सेब के आयात को हतोत्साहित करने के लिए इस पर शुल्क बढ़ाकर 100 प्रतिशत करने का भी आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने सेब की खेती में लगे लगभग 2.5 लाख किसानों के हितों की रक्षा के लिए केंद्र से हस्तक्षेप का अनुरोध किया और कहा कि राज्य के कुल फल उत्पादन में सेब का योगदान 80 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि इससे 4,500 करोड़ रुपये की वार्षिक आय होती है। उन्होंने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के सामने भी यह मामला उठाया और त्वरित कार्रवाई का आग्रह किया। सुक्खू ने फल पर आयात शुल्क में कमी के संबंध में राज्य के सेब उत्पादकों की चिंता से गोयल को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि पिछले दस वर्षों में सेब का आयात लगभग ढाई गुना बढ़ गया है और मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के कारण इसकी मात्रा और बढ़ेगी।

डी.के. शिवकुमार ने दिल्ली और बेंगलुरु में पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों का हवाला देकर दावोस यात्रा रद्द की

बैंगलुरू। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने नयी दिल्ली और बेंगलुरु में आधिकारिक कार्यक्रमों का हवाला देते हुए स्विट्जरलैंड के दावोस में आयोजित विश्व आर्थिक मंच की अपनी निर्धारित यात्रा रद्द कर दी है। उनके कार्यालय ने शनिवार को एक विज्ञप्ति में कहा, "असम विधानसभा चुनाव के संबंध में उपमुख्यमंत्री की कांग्रेस के केंद्रीय स्तर के पदाधिकारियों के साथ कई बैठकें निर्धारित हैं और वह मनरेगा को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ अभियान का नेतृत्व भी कर रहे हैं, जिसके चलते कर्नाटक विधानसभा का पांच दिवसीय विशेष सत्र 22 जनवरी से निर्धारित किया गया है।"

उपमुख्यमंत्री के कार्यक्रम के अनुसार, शिवकुमार असम विधानसभा चुनाव के संबंध में एक तैयारी बैठक में भाग लेने के लिए दिल्ली में थे और आज शाम उत्तरी कर्नाटक के बीदर जायेंगे। वह पूर्व मंत्री भीमन्ना खंडे के अंतिम संस्कार में शामिल होंगे, जिनका कल देर रात बीदर में 102 वर्ष की आयु में निधन हो गया था।

बाद में, शिवकुमार रात में हैदराबाद होते हुए नयी दिल्ली के लिए रवाना होंगे। अठारह जनवरी से शुरू हो रहे दावोस शिखर सम्मेलन में भाग न लेने के फैसले और शिवकुमार की दिल्ली वापसी से मौजूदा नेतृत्व की स्थिरता के बारे में अटकलों को बल मिला है। यह घटनाक्रम कांग्रेस नेता राहुल गांधी की मंगलवार शाम को मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और उपमुख्यमंत्री शिवकुमार के साथ हुई संक्षिप्त बातचीत की पृष्ठभूमि में आया है।

प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल समाज के कल्याण के लिए हो, लोगों को इसका गुलाम नहीं बनना चाहिएःमोहन भागवत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल समाज के कल्याण के लिए किया जाना चाहिए, लेकिन लोगों को इसका गुलाम नहीं बनना चाहिए। युवा उद्यमियों से बातचीत में भागवत ने इस पर जोर दिया कि

स्वदेशी का उपयोग करने का मतलब प्रौद्योगिकी को नकारना नहीं है।

यह संवाद आरएसएस के शताब्दी वर्ष समारोह के अंतर्गत आयोजित किया गया। उन्होंने कहा, प्रौद्योगिकी अपरिहार्य है और अपने आप में बुरी नहीं है, लेकिन हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हम इस पर इस हद तक निर्भर न हो जाएं कि यह हमें नियंत्रित करने लगे।

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि व्यापार और उद्योग को केवल लाभ के उद्देश्य से संचालित नहीं किया जाना चाहिए। भागवत ने कहा, हम सिर्फ अपने फायदे के लिए नहीं, बल्कि समाज की भलाई के लिए काम करते हैं। आजीविका कमाना और सामाजिक जिम्मेदारी साथ-साथ चलनी चाहिए। कृषि का उदाहरण देते हुए आरएसएस प्रमुख ने कहा कि भारतीय किसान अक्सर खेती को महज पेशा नहीं बल्कि अपना कर्तव्य मानते हैं।

भागवत ने कहा, यह नेक विचार शायद ही कहीं और देखने को मिलता है। यह हमें याद दिलाता है कि हमारा काम समाज-केंद्रित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि आधुनिक प्रौद्योगिकी को भारत की सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियों के अनुकूल बनाया जाना चाहिए, और यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि प्रौद्योगिकी समाज को नुकसान न पहुंचाए या रोजगार के अवसरों को कम न करे।

ममता सरकार पर भाजपा का हमला

'ममता बनर्जी बंगाल को बांग्लादेश बनाने पर आमादा'

कोलकाता। जिस तरह बंगाल तृणमूल कांग्रेस पार्टी की ममता बनर्जी की सरकार घुसपैठियों को मतदाता सूची में बरकरार रखने के लिए बूथ लेवल अधिकारियों पर दबाव बना रही है उससे यह साबित हो रहा है कि ममता बनर्जी बंगाल को बांग्लादेश बना कर ही दम लेंगी . यह आरोप भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रेम शुक्ल ने मुंबई भाजपा प्रदेश मुख्यालय पर आयोजित पत्रकार वार्ता में लगाया . श्री शुक्ल ने कहा कि बंगाल के जादवपुर विधानसभा क्षेत्र में बूथ क्रमांक 110 के बूथ लेवल ऑफिसर अशोक दास को टीएमसी नेता अनन्या बनर्जी और राजू बिस्वास ने मतदाता सूची से घुसपैठियों के नाम न काटने के लिए धमकाया . न केवल अशोक दास को जान से मारने की धमकी दी बल्कि उनके परिजनों को भी देख लेने की धमकी दी . आए दिन की धमकियों और उत्पीड़न से तंग आकर अशोक दास ने आत्महत्या कर ली . श्री शुक्ल ने कहा अब टी - तुष्टिकरण की राजनीति , एम - माफिया और गुंडाराज , सी - क्राइम नेटवर्क बन कर रह गया है . उन्होंने कहा यदि ममता बनर्जी संविधान का जरा भी सम्मान करती तो टीएमसी के आपराधिक वृत्ति वाले कार्यकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई करती और अशोक दास को न्याय

दिलाती, पर वह तो खुद बंगाल को बांग्लादेश बनाने पर आमादा हैं . उन्हीं के इशारे पर उत्तरी दिनाजपुर के चाकुलिया इलाके में चुनाव कार्यालय की मशीनों को टीएमसी के गुंडों ने तोड़फोड़ कर कार्यालय को आग के हवाले कर दिया। प्रेम शुक्ल ने आरोप लगाया कि घुसपैठियों की मदद के लिए ही ममता बनर्जी की सरकार केंद्र सरकार द्वारा सीमा पर फेंसिंग के लिए बारंबार मांग के बावजूद 72 क्लस्टर सीमा सुरक्षा बल के हवाले नहीं कर रही हैं . यहां से घुसपैठ होती है।

और टीएमसी के नेता मोटे पैसे लेकर दस्तावेज बनवाते हैं।

प्रेम शुक्ल ने पंजाब की भगवंत सिंह मान सरकार द्वारा बठिंडा में 'पंजाब केसरी ' अखबार के कार्यालय पर की गई अवैध छापे की भर्त्सना की . उन्होंने कहा केजरीवाल के प्रश्रय मे भगवंत मान सरकार आपात काल जैसी हरकतें कर रही है। इसी वार्ता में प्रेम शुक्ल ने मध्य प्रदेश के भांडेर विधानसभा के कांग्रेसी विधायक फूल सिंह बरैया द्वारा सुंदर महिलाओं को देख कर बलात्कार की इच्छा जागने वाले बयान को बेहद शर्मनाक और कांग्रेस की नारी विरोधी सोच का प्रमाण बताया .बरैया ने एक बयान में कहा कि अनुसूचित जाति की महिलाओं से जब कोई सहवास करता है तो उसे काशी तीर्थ का फल मिलता है . श्री शुक्ल ने पूछा सोनिया गांधी और प्रियंका वाड्रा ऐसे विकृत विक्षप्त व्यक्ति को अपनी पार्टी में कैसे बर्दाश्त करती हैं ?

छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में शीर्ष उग्रवादी समेत दो नक्सली मारे गए

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में शनिवार को सुरक्षाबलों ने एक मुठभेड़ में शीर्ष उग्रवादी दिलीप बेदजा समेत दो नक्सलियों को मार गिराया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जिले के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र के पहाड़ी जंगलों में तड़के मुठभेड़ शुरू हो गई, जहां सुरक्षा बलों की एक संयुक्त टीम माओवादियों की मौजूदगी की सूचना के आधार पर नक्सल-विरोधी अभियान पर निकली थी।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ पुलिस के विशेष कार्य बल और जिला रिजर्व गार्ड इकाइयों के जवान और सीआरपीएफ की एक विशिष्ट इकाई कोबरा (कमांडो बटालियन फॉर रेसोल्यूट एक्शन) के जवान इस अभियान में शामिल थे, जिसे मंडलीय समिति के सदस्य बेदजा की क्षेत्र में उपस्थिति के बारे में मिली सूचना के आधार पर शुरू किया गया था।

अधिकारी ने बताया कि मुठभेड़ में मारे गए एक अन्य नक्सली की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। उन्होंने बताया, "अभी तक घटनास्थल से दो नक्सलियों के शव और एके-47 राइफल बरामद की गयी हैं।"

अचानक 114 राफेल विमान खरीदने की जरूरत क्यों पड़ गयी? इस सौदे में भारत ने क्या शर्तें रखी हैं?

नई दिल्ली। भारत की सेनाओं को आधुनिक हथियारों और अत्याधुनिक तकनीक से लैस करने, सीमाओं की सुरक्षा को अभेद्य बनाने और हर मोर्चे पर दुश्मन को करारा जवाब देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कभी पीछे नहीं रहते। राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर उनकी नीति साफ है कि ताकत ही शांति की सबसे मजबूत गारंटी होती है। इसी सोच के तहत भारतीय वायुसेना की

मारक क्षमता को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाला एक और निर्णायक कदम अब आकार ले रहा है। राफेल लड़ाकू विमानों की संख्या बढ़ाने की दिशा में सरकार की ताजा पहल न केवल वायुसेना की कमजोर पड़ती स्क्वाड्रन ताकत को संबल देगी, बल्कि बदलते सामरिक परिदृश्य में भारत को निर्णायक बढ़त भी दिलाएगी।

हम आपको बता दें कि रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की अध्यक्षता वाले रक्षा खरीद बोर्ड ने फ्रांस की कंपनी डसॉल्ट एविएशन से 114 राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यह मंजूरी औपचारिक प्रक्रिया का पहला ठोस चरण है, जिसके बाद प्रस्ताव रक्षा अधिग्रहण परिषद के सामने जाएगा और अंततः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट समिति से अंतिम स्वीकृति मिलेगी। अनुमान है कि यह सौदा करीब साढ़े तीन लाख करोड़ रुपये का होगा, जो भारत का अब तक का सबसे बड़ा रक्षा सौदा बन सकता है। यह मंजूरी ऐसे समय आई है जब फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के भारत दौरे की तैयारी चल रही है। यदि मूल्य वार्ता और अन्य स्वीकृतियां समय पर पूरी होती हैं तो दोनों देशों के बीच अंतर सरकारी समझौते के तहत सौदे पर हस्ताक्षर संभव हैं। इस मॉडल में बिचौलियों की कोई भूमिका नहीं होगी और सीधे आपूर्ति सुनिश्चित होगी।

महाप्रबंधक मध्य रेल् द्वारा भुसावल मंडल के मनमाड-भुसावल खंड का संरक्षा निरीक्षण

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मध्य रेल् के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता ने दिनांक 17.01.2026 को भुसावल मंडल के अंतर्गत मनमाड-भुसावल खंड का व्यापक संरक्षा निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने परिचालन दक्षता, सुरक्षा मानकों तथा चल रहे विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

नांदगांव में निरीक्षण

नांदगांव में निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने परिसंपत्तियों की सुरक्षा एवं विश्वसनीयता बढ़ाने हेतु विभिन्न विभागों द्वारा प्रस्तुत नवोन्मेषी उपायों की सराहना की। उन्होंने स्टेशन भवन, स्टेशन पैनल रूम, सर्कुलेटिंग एरिया, बुकिंग कार्यालय एवं अन्य यात्री सुविधाओं का निरीक्षण किया। इसके अतिरिक्त क्रू लॉबी, क्रू रनिंग रूम, गुड्स शेड का निरीक्षण किया तथा संरक्षा प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

इस अवसर पर महाप्रबंधक द्वारा निम्नलिखित का अनावरण/विमोचन किया गया–

संरक्षा विभाग द्वारा आपदा प्रबंधन एवं त्रैमासिक सुरक्षा बुलेटिन पुस्तिका

कार्मिक विभाग द्वारा वरिष्ठता संकलन पुस्तिका

इंजीनियरिंग विभाग द्वारा टर्नआउट मेंटेनेंस पुस्तिका

सिग्नल एवं टेलीकॉम विभाग द्वारा सिग्नलिंग मेंटेनेंस एवं सिग्नल लोकेशन पुस्तिका

क्रिटिकल सिग्नल लोकेशन पर आधारित पैम्फलेट

महाप्रबंधक ने स्व-चालित दुर्घटना राहत ट्रेन, एस एंड टी विभाग के 'निवारण' ऐप, आरएस फ्लैप वाल्व स्टिम्युलेटर का उद्घाटन किया तथा ब्रेकिंग पैटर्न सिस्टम ऐप एवं शंटर सेफ्टी ऐप का विमोचन किया।

पिंपेरखेड़ में निरीक्षण

पिंपेरखेड़ में महाप्रबंधक ने ट्रैक्शन सब-स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने ट्रांसफॉर्मर का निरीक्षण कर परिसंपत्तियों की विश्वसनीयता एवं दीर्घायु बढ़ाने हेतु अनुरक्षण पद्धतियों की समीक्षा की।

हिरापुर में निरीक्षण

हिरापुर में महाप्रबंधक ने गैंग यूनिट नंबर 5, टर्नआउट नंबर 102 बी तथा यार्ड में लॉन्ग वेल्डेड रेल एवं स्विच एक्सपैंशन जॉइंट्स का निरीक्षण किया। इस अवसर पर ट्रैकमैन हैंडबुक एवं टूल बॉक्स टॉक पुस्तिकाओं का अनावरण किया गया।

चालीसगांव-वाघली एवं कजगांव-नगरदेवला खंड का निरीक्षण

इसके पश्चात चालीसगांव-वाघली खंड पर कि.मी. 330/7-9 स्थित लेवल क्रॉसिंग गेट नंबर 120 का निरीक्षण किया गया तथा कमर्शियल नियम पुस्तिका का अनावरण किया गया। साथ ही कजगांव-नगरदेवला खंड पर कि.मी. 353/713 से 354/853 के बीच वक्र(एल्न) संख्या 05 का निरीक्षण किया गया।

नगरदेवला- गालन खंड पर तितूर गर्डर ब्रिज एवं गालन-पाचोरा खंड पर लिमिटेड हाइट सबवे का निरीक्षण

महाप्रबंधक ने नगरदेवला- गालन खंड पर कि.मी. 354/29 से 355/01 स्थित तितूर गर्डर ब्रिज नंबर 354/3 का संरचनात्मक मजबूती एवं सुरक्षा के दृष्टिकोण से निरीक्षण किया। इसके उपरांत गालन -पाचोरा खंड पर कि.मी. 368/03-05 स्थित लिमिटेड हाइट सबवे का निरीक्षण किया गया।

पाचोरा में निरीक्षण

पाचोरा में महाप्रबंधक ने स्टेशन क्षेत्र, उप स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, रेलवे स्वास्थ्य इकाई, रेलवे कॉलोनी तथा इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग का निरीक्षण किया। इस अवसर पर 'संकेत सहायक' पुस्तिका का अनावरण किया गया।

भुसावल में निरीक्षण

भुसावल में महाप्रबंधक ने रूटीन ओवरहॉलिंग शेड एवं ओएचई डिपो का निरीक्षण किया तथा ओएचई डिपो में 225 केवी मॉडल का उद्घाटन किया। उन्होंने भुसावल रेलवे कॉलोनी एवं अधिकारियों का नवीन विश्राम गृह का भी उद्घाटन किया।

इस दौरान निम्नलिखित पुस्तिकाओं का अनावरण किया गया–

अनुकंपा नियुक्ति हेतु हैंडबुक

अनुरोध स्थानांतरण संकलन

विद्युतीकरण कार्य हेतु हैंडबुक

पॉइंट्समैन हेतु अध्ययन सामग्री

स्टेशन मास्टरों हेतु स्टेशन मार्गदर्शिका

स्टेशन मास्टरों हेतु कवच प्रशिक्षण हैंडबुक

शंटिंग के सामान्य नियमों पर पैम्फलेट

महाप्रबंधक ने शाखा अधिकारियों के साथ संवाद करते हुए माननीय रेल मंत्री द्वारा सुरक्षा, अनुरक्षण, गुणवत्ता एवं प्रशिक्षण (एसैऊ) पर दिए गए विशेष जोर को दोहराया। उन्होंने यूनियन प्रतिनिधियों से चर्चा की तथा मीडिया से संवाद कर उनके प्रश्नों का संतोषजनक उत्तर दिया।

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत प्रगतिशील कार्यों का निरीक्षणङ

महाप्रबंधक ने नांदगांव एवं पाचोरा स्टेशनों पर अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया तथा यात्री सुविधाओं से संबंधित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए।

जनप्रतिनिधियों से संवाद

महाप्रबंधक ने माननीय विधायक एवं अन्य जनप्रतिनिधियों से भेंट कर विभिन्न रेलवे संबंधी मुद्दों पर चर्चा की।

निरीक्षण के दौरान श्री विवेक कुमार गुप्ता ने स्वच्छता मानकों, ट्रेनों की समयपालनता तथा अनुरक्षण एवं अवसंरचना उन्नयन कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से संवाद कर सुरक्षा प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन, अंतर-विभागीय समन्वय तथा उच्चतम सुरक्षा एवं विश्वसनीयता मानकों के प्रति सतत सजग रहने का आह्वान किया।

पूरे निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने फील्ड स्तर के कर्मचारियों से संवाद कर सुरक्षित रेल परिचालन, अवसंरचना की विश्वसनीयता एवं यात्री-केंद्रित सेवाओं के महत्व पर बल दिया तथा भारतीय रेल की छवि एवं यात्री सुविधा में समग्र सुधार हेतु उपयोगी सुझाव दिए।

इस निरीक्षण के दौरान श्री पुनीत अग्रवाल, मंडल रेल प्रबंधक, भुसावल मंडल, मुख्यालय एवं भुसावल मंडल के प्रमुख विभागाध्यक्षों तथा वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से एक सक्षम और रचनात्मक भारत उभरेगा- मंत्री चंद्रकांत पाटिल

विभिन्न संकायों के 1 लाख 72 हजार 522 स्नातकों को डिग्रियां प्रदान की गईं

दिव्यांश

मुंबई विश्वविद्यालय देश का एक प्रमुख विश्वविद्यालय है जिसने नई शिक्षा की लौ जलाई है और न्यायमूर्ति रानाडे, लोकमान्य तिलक, महात्मा गांधी, डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर और स्वातंत्र्यवीर सावरकर जैसे महान व्यक्तित्वों ने यहाँ अध्ययन किया है। उनके पदचिह्नों पर चलते हुए, नए स्नातकों को देश की प्रगति में अपना बहुमूल्य योगदान देना चाहिए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एक सक्षम, रचनात्मक और ज्ञान-समृद्ध भारत के निर्माण के लिए एक मजबूत मूलभूत नीति है। इस नीति के माध्यम से, छात्रों को नवाचार, अनुसंधान और उद्यमिता से प्रेरणा मिलेगी और वे देश के समग्र विकास में सक्रिय रूप से भाग लेंगे, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांत पाटिल ने जोर देकर कहा।

मुंबई विश्वविद्यालय का वार्षिक दीक्षांत समारोह फोर्ट स्थित सर कावसजी जहांगीर दीक्षांत हॉल में आयोजित किया गया। उस समय उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांतदादा पाटिल बोल रहे थे। कार्यक्रम में

मुख्य अतिथि के रूप में केंद्र सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. अजय कुमार सूद उपस्थित थे। साथ ही मुंबई विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रवींद्र कुलकर्णी, प्रति कुलपति प्रिंसिपल डॉ. अजय भामरे, रजिस्ट्रार डॉ. प्रसाद करांडे, परीक्षा और मूल्यांकन बोर्ड की निदेशक डॉ. पूजा रोवडेल, साथ ही अधिसभा, प्रबंधन परिषद, शैक्षणिक परिषद के प्रतिष्ठित सदस्य, विभिन्न संकायों के डीन, एसोसिएट डीन, प्रिंसिपल और विभागाध्यक्ष, प्रोफेसर भी उपस्थित थे।

उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांत पाटिल ने कहा, '21वीं सदी में ज्ञान, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक बड़ा परिवर्तन हो रहा है। छात्रों को 'कैसे सीखें' पर ध्यान देना चाहिए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति शिक्षा को अधिक अनुभवात्मक, समावेशी और आनंददायक बनाएगी। इसमें विज्ञान के साथ-साथ कला, खेल, संस्कृति और मूल्य शिक्षा शामिल होगी, जिससे सर्वांगीण छात्र तैयार होंगे।'

शिक्षक शिक्षा प्रणाली के केंद्र बिंदु हैं। शिक्षकों को सशक्त बनाना और शिक्षा के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को आकर्षित करना समय की मांग है। उच्च और तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री पाटिल ने कहा कि प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपराओं पर आधारित शिक्षा नीति ऐसे छात्र तैयार करेगी जिनमें आत्म-ज्ञान, रचनात्मकता और सामाजिक जिम्मेदारी होगी।

मुंबईकरों ने विकास पर लगाई मुहर

दोनों ठाकरे गुटों से ज्यादा सीटें जीतकर भाजपा बनी मुंबई की सबसे बड़ी ताकत- मंत्री एड. आशीष शेलार

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। मुंबई महानगर में दोनों ठाकरे गुटों की कुल सीटों से अधिक सीटें अकेली भारतीय जनता पार्टी को दिलाकर मुंबईकरों ने यह साफ कर दिया है कि उन्हें भावनात्मक राजनीति नहीं, बल्कि ठोस विकास चाहिए। यह परिणाम केवल चुनावी जीत नहीं, बल्कि विकास, सुशासन और निर्णायक नेतृत्व पर जनता की मुहर है। मंत्री एड. आशीष शेलार ने यह स्पष्ट और दो-टूक प्रतिक्रिया दी।

मंत्री शेलार ने कहा कि उबाठा और मनसे ने मिलकर जितनी सीटों पर चुनाव लड़ा, उससे कम सीटों पर लड़कर भी अकेली भाजपा का उनसे अधिक सीटों पर विजयी होना यह साबित करता है कि मुंबईकरों ने भ्रम, परिवारवाद और नकारात्मक राजनीति को सिरे से नकार दिया है।

'यह जनादेश पूरी तरह से विकास के पक्ष में और ठहराव की राजनीति के खिलाफ है,' उन्होंने कहा।

उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में केंद्र और राज्य सरकार द्वारा किए गए ऐतिहासिक विकास कार्यों पर मुंबईकरों ने भरोसा जताया है।

'मुंबई ने साफ संदेश दिया है–जो काम करेगा, वही राज करेगा,' मंत्री शेलार ने दोहराया।

उन्होंने कहा, 'हे मुंबईकरों, आपने भाजपा और महायुति को जो अपार आशीर्वाद दिया है, उसे हम पूरी विनम्रता के साथ स्वीकार करते हैं। यह जीत सत्ता की नहीं, बल्कि सेवा की जिम्मेदारी है। आपने हमें मुंबई की सेवा का अवसर दिया है और हम इस भरोसे पर खरे उतरेंगे।'

मंत्री शेलार ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अब मुंबई में विकास की रफ्तार और तेज होगी।

'नए, निर्णायक और दमदार विकास पर्व की शुरुआत हो चुकी है। अब न रुकेंगे, न झुकेंगे और न ही पीछे हटेंगे।' उन्होंने कहा, 'मुंबईकरों के नम्र सेवक का यह वचन है–हम न थकेंगे, न मात खाएंगे और न ही मुंबईकरों की सेवा का व्रत छोड़ेंगे। विकास ही हमारा एजेंडा है और मुंबई ही हमारी प्राथमिकता।'

अंत में मंत्री शेलार ने प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण, मुंबई अध्यक्ष अमित साटम सहित सभी समर्पित कार्यकर्ताओं का अभिनंदन करते हुए कहा कि यह जीत कार्यकर्ताओं की मेहनत, अनुशासन और जनता के भरोसे की जीत है। अगर चाहें तो मैं इसे और भी ज्यादा आक्रामक (वन-लाइन अटैक के साथ) फ्रंट-पेज के लिए छोटा वर्ज़न टीवी बाइट/कोट्स फॉर्मेट में भी तैयार कर सकता हूँ।

टीसीएस द्वारा महाराष्ट्र की सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक विरासत का संरक्षण

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा विरासत संरक्षण में निजी क्षेत्र को शामिल करने पर जोर

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के दूरदर्शी नेतृत्व तथा टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के सहयोग से महाराष्ट्र की सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक विरासत का संरक्षण और संवर्धन अधिक प्रभावी रूप से किया जा रहा है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विरासत संरक्षण और संवर्धन में निजी क्षेत्र की भागीदारी को प्रोत्साहित करने की नीति को आगे बढ़ाया है। टीसीएस तथा टीसीएस फाउंडेशन महाराष्ट्र के ऐतिहासिक स्मारकों और प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की प्रेरणा से पिछले एक दशक में मुंबई स्थित ऐतिहासिक राजाबाई क्लॉक टॉवर तथा मुंबई विश्वविद्यालय के पुस्तकालय भवन के संरक्षण एवं पुनर्स्थापन की एक महत्वपूर्ण परियोजना को सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया गया है।

मुंबई के 156 वर्ष पुराने राजाबाई टॉवर की बाह्य प्रकाश व्यवस्था वेऽ आधुनिकीकरण तथा पुस्तकालय में

फर्नीचर की मरम्मत एवं प्रतिस्थापन के कार्य को शासन स्तर से प्राप्त सहयोग के कारण गति मिली। इस परियोजना के लिए टीसीएस द्वारा 8.90 करोड़ रुपये का योगदान दिया गया, और इस पहल को वर्ष 2018 में यूनेस्को एशिया-प्रशांत सांस्कृतिक विरासत संरक्षण पुरस्कार के अंतर्गत मान्यता प्राप्त हुई।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के मार्गदर्शन में सार्वजनिक-निजी भागीदारी की संकल्पना के माध्यम से छत्रपति शिवाजी महाराज वास्तु संग्रहालय के संरक्षण एवं पुनर्स्थापन कार्य को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली है। इस परियोजना के लिए टीसीएस ने चरणबद्ध रूप से कुल 24.79 करोड़ रुपये का योगदान दिया। वर्ष 2022 में यूनेस्को एशिया-प्रशांत सांस्कृतिक विरासत संरक्षण पुरस्कार के अंतर्गत 'उत्कृष्टता पुरस्कार' से सम्मानित यह परियोजना स्थापत्य एवं अभियांत्रिकी दृष्टि से अत्यंत अनुकरणीय रही। यह पिछले 100 वर्षों में संग्रहालय का पहला बड़ा पुनर्स्थापन कार्य है।

जिज्ञासा, रचनात्मकता और इनोवेशन किसी देश की प्रगति की नींव हैं - डॉ. अजय कुमार सूद

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई यूनिवर्सिटी के सालाना दीक्षांत समारोह में, केंद्र सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार डॉ. अजय कुमार सूद ने कहा कि भारतीय युवा वैश्विक स्तर पर बदलाव के एजेंट बन रहे हैं, और शिक्षा, जो जिज्ञासा, रचनात्मकता और इनोवेशन का संगम है, भारत की प्रगति का स्तंभ बनेगी।

शिक्षा प्रणाली में तीन बदलावों की ज़रूरत हैः जिज्ञासा-केंद्रित शिक्षण, वैचारिक समझ और व्यावहारिक शिक्षा। डॉ. सूद ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, रोज़गार और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में प्रगति के कारण भारत वैश्विक नेतृत्व हासिल कर रहा है।

डॉ. सूद ने 'एस-लाइफ फ्रेमवर्क' की अवधारणा पेश करते हुए, विज्ञान का रोज़मर्रा की ज़िंदगी से संबंध, प्रयोगशालाओं को फिर से शुरू करने, रिसर्च को पाठ्यक्रम में शामिल करने, विज्ञान उत्सवों के आयोजन और युवाओं की डिजिटल भागीदारी पर ज़ोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि भारत सरकार की 'वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन' पहल रिसर्च के क्षेत्र में लोकतंत्र ला रही है और देश के लाखों छात्रों को विश्व स्तरीय रिसर्च तक पहुंच मिलेगी। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर आधारित 'DPI 2.0' के ज़रिए स्वास्थ्य, कृषि और सतत विकास के क्षेत्रों में बदलाव लाने का भी आह्वान किया।

डॉ. सूद ने स्नातकों को प्रेरित करते हुए कहा कि महात्मा गांधी, डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर और सरदार पटेल जैसी महान हस्तियों के नक्शेकदम पर चलकर, आज के युवा साहस, रचनात्मकता और प्रतिबद्धता के ज़रिए एक मज़बूत भारत का निर्माण करेंगे।

रिपोर्ट मुंबई यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. (डॉ.) रवींद्र कुलकर्णी ने पढ़ी।

बीजेपी पर 'धोखे' का आरोप, हार के बाद भी उद्धव ठाकरे को भरोसा- ईश्वर की इच्छा से मुंबई में होगा अपना मेयर

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

शिवसेना (यूबीटी) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने शनिवार को दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनाव 'धोखे' से जीता है और वह मुंबई को गिरवी रखना चाहती है, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि मुंबईवासी इसे कभी नहीं भूलेंगे। हालांकि, ठाकरे ने कहा कि उनकी पार्टी 'ईश्वर की इच्छा से' मुंबई में अपना महापौर नियुक्त करेगी। भगवा पार्टी द्वारा उनकी पार्टी से बीएमसी छीनने के एक दिन बाद मुंबई के शिवसेना भवन में शिवसेना (यूबीटी) कार्यकर्ताओं से बातचीत करते हुए, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा को लगता है कि उसने शिवसेना (यूबीटी) को खत्म कर दिया है, लेकिन ऐसा नहीं हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा ने

हर संभव प्रयास किया लेकिन वफादारी नहीं खरीद सकी।

भाजपा-शिवसेना गठबंधन द्वारा ठाकरे परिवार से बीएमसी की सत्ता छीनने के एक दिन बाद, उद्धव ठाकरे ने शिवसेना (उबाठा)कार्यकर्ताओं के साथ संवाद किया। ठाकरे ने आरोप लगाया कि भाजपा मुंबई को गिरवी रखना चाहती है और उसने धोखे से चुनाव जीता है। उन्होंने कहा कि मराठी मानुष इस 'पाप' को कभी माफ नहीं करेंगे। ठाकरे ने कहा कि मुंबई में शिवसेना(उबाठा) का महापौर बनाना उनका सपना है, और अगर ईश्वर की इच्छा हुई तो यह सपना साकार होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा को यह गलतफहमी है कि उसने शिवसेना(उबाठा) को खत्म कर दिया है, लेकिन ऐसा नहीं हुआ है।

ठाकरे ने कहा कि शिवसेना को भाजपा जमीनी स्तर पर खत्म नहीं कर सकी।' प्रत्यक्ष रूप से उनका इशारा बीएमसी चुनावों में शिवसेना (उबाठा) द्वारा जीती गई 65 सीटों की ओर था। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा निष्ठा खरीदने के लिए साम-दाम दंड भेद का इस्तेमाल कर रही है। ठाकरे ने कहा, ''उसने (भाजपा ने) मुंबई को गिरवी रखकर विश्वासघात के जरिए जीत हासिल की है। मराठी मानुष इस पाप को कभी माफ नहीं करेंगे। लड़ाई अब खत्म नहीं हुई है, बल्कि अभी शुरू हुई है।'' बीएमसी के 227 सदस्यीय सदन में भाजपा ने 89 सीट जीतीं हैं, जबकि सहयोगी शिवसेना ने 29 सीट अपने नाम की है। वहीं, शिवसेना(उबाठा) को 65 और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना(मनसे)को छह सीट मिलीं।

पश्चिम रेलवे – रतलाम मंडल

ई-निविदा सूचना

निम्न कार्य के लिए मंडल रेल प्रबंधक (एसएण्डटी) पश्चिम रेलवे रतलाम द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से व उनके लिये E-निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। **निविदा संख्या.: SnT-RTM-25-Tele-19, दिनांक : 15.01.2026. कार्य का नाम:** निम्नलिखित के संबंध में दूरसंचार सामग्री की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण, कमीशनिंग "रतलाम मंडल: विभिन्न स्टेशनों पर दूरसंचार यात्री सुविधाओं का उन्नयन और प्रतिस्थापन (सिंहस्थ 2028)।'' **कार्य की अनुमानित लागत:** रु. 9,00,63,272.58/- (रुपये नौ करोड तिरसठ हजार दो सौ बहत्तर और अट्ठावन पैसे)। **निविदा फार्म का मूल्य:** शून्य। **बयाना राशि:** रु. 6,00,300/-. **कार्य पूरा करने की अवधि:** बारह (12) महीने। **E-निविदा जमा करने के लिये बंद करने का समय एवं दिनांक:** दिनांक 24.02.2026 समय 15:00 बजे तक। **E-निविदा खुलने का समय एवं दिनांक:** दिनांक 24.02.2026 समय 15:30 बजे के बाद। **वैधता:** निविदा खुलने की दिनांक से 60 दिन। यह टैंडर **https://www.ireps.gov.in** वेबसाइट पर देखा जा सकता है। निविदाकार के पास Class-III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होने चाहिए और IREPS Portal पर पंजीकृत होना चाहिए। केवल पंजीकृत निविदाकार ही e-tendering में भाग ले सकते है। सभी संबंधित दस्तावेज e-tendering में भाग लेने के समय अपलोड करने होंगे।

DE/6/1/418

हमें लाईक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे वडोदरा मंडल

पीएसआई (विद्युत आपूर्ति स्थापना) परिसंपत्तियों और अन्य सहायक गतिविधियों के रखरखाव की आउटसोर्सिंग

निविदा सूचना सं.: इएल-टीआरडी-टेंडर-25-26-152 भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (कर्षण वितरण) वडोदरा द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिये मुहरबंद निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। **निविदा संख्या और कार्य का नाम:** इएल-टीआरडी-टेंडर-25-26-152 वडोदरा मंडल के सूरत-गेरतपुर, वडोदरा-गोधरा, गोधरा-आणंद और आणंद - खंभात खंड में पीएसआई (विद्युत आपूर्ति स्थापना) परिसंपत्तियों और अन्य सहायक गतिविधियों के रखरखाव की आउटसोर्सिंग। **कार्य की अनुमानित लागत (रु):** ₹3,85,58,086/- **बोली प्रतिभूति (रु):** ₹3,42,800/- **निविदा की राशि एवं कार्य समापन की अवधि:** कार्य समापन की अवधी 24 माह **निविदा की समय सारणी:** निविदा बंद होने का दिनांक एवं समय 16/02/2026 को 15-00 बजे. **वेबसाइट विवरण और सूचना का लोकेशन जहां पूर्ण विवरण देखा जा सकता है तथा कार्यालय का पता विवरण जानकारी के लिये:** मंडल रेल प्रबंधक (कर्षण वितरण) पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वड़ोदरा - 390004. **वेबसाइट विवरण www.ireps.gov.in**

BRC 321

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

विभिन्न मरम्मत कार्य

सीनियर डीईएन (दक्षिण) मुंबई सेंट्रल, मुंबई-400008, नीचे दिए गए अनुसार ई-टेंडर आमंत्रित करते हैं

अ.क्र.	टेंडर नोटिस नंबर और तारीख	काम और स्थान	काम की अनुमानित लागत	ईएमडी
1	BCT/25-26/298 dt.14.01.2026	चर्चगेट-विरार सेक्शन में SSE (P.Way) दादर और अंधेरी सेक्शन के अधिकार क्षेत्र में मानसून 2026 के लिए पुलियों और पुलियों से जुड़े नालों की सालाना सफाई।	15,41,522.88	30,800/-
2	BCT/25-26/299 dt.14.01.2026	SSE (P.Way) बोरीवली सेक्शन के अधिकार क्षेत्र में चर्चगेट-विरार सेक्शन में मॉनसून 2026 के लिए पुलियों और पुलियों से जुड़े नालों की सालाना सफाई।	11,70,604.88	23,400/-
3	BCT/25-26/300 dt.14.01.2026	चर्चगेट-विरार सेक्शनः SSE (P. Way) दादर, अंधेरी और बोरीवली सेक्शन के तहत साल 2026 के लिए मानसून के दौरान निचले इलाकों में पटरियों से D.G. पंपों द्वारा पानी निकालना।	1,63,53,600.00	2,31,800/-
4	BCT/25-26/301 dt.14.01.2026	चर्चगेट-विरार सेक्शनः SSE (P. Way) भायंदर सेक्शन के अधिकार क्षेत्र में 2026 के लिए मानसून के दौरान निचले इलाकों में पटरियों से D.G. पंपों द्वारा पानी निकालना।	62,10,900.00	1,24,200/-
5	BCT/25-26/302 dt.14.01.2026	चर्चगेट-विरार खंडः वर्ष 2025-26 में स्वीकृत ट्रैक कार्य के अंतर्गत वरिष्ठ मंडल अभियंता (दक्षिण), मुंबई सेंट्रल के अधिकार क्षेत्र में 60 किग्रा, 90 यूटीएस एवं आर-260 ग्रेड रेलों की इन-सीटू वेल्डिंग तथा आर-260 ग्रेड रेलों के वेल्डिंग भागों की आपूर्ति का कार्य किया जाना है। इस कार्य में प्री-फैब्रिकेटेड मोल्ड, स्वचालित टेपिंग थिम्बल तथा सिंगल-शॉट क्रूसिबल फिटेड प्रणाली का उपयोग किया जाएगा।	1,13,69,197.97	2,06,900/-

ऊपर दिए गए सभी टेंडरों के लिए, जमा करने की तारीख और समयः 10.02.2026 तक, 15:00 बजे। खोलने की तारीख और समयः 10.02.2026 को 15:30 बजे। ज़्यादा जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं।

1008

Like us on: facebook.com/WesternRly | Follow us on: X.com/WesternRly

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की उपस्थिति में इंटरनेशनल बजाज पुणे ग्रैंड टूर 2026 का भव्य उद्घाटन

बजाज पुणे ग्रैंड टूर 2026 केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक विरासत है– मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पुणे। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि बजाज पुणे ग्रैंड टूर 2026 केवल एक अंतरराष्ट्रीय साइक्लिंग प्रतियोगिता तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह भविष्य की पीढ़ियों के लिए खेल और अवसंरचना की एक स्थायी विरासत के रूप में उभरेगा।

वे पुणे के जेडब्ल्यू मैरियट होटल में आयोजित प्रतिष्ठित इंटरनेशनल बजाज पुणे ग्रैंड टूर के भव्य उद्घाटन तथा अंतरराष्ट्रीय साइकिल चालकों के स्वागत समारोह में बोल रहे थे।

इस अवसर पर केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल, राज्य उच्च व तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांत पाटील, सामाजिक न्याय राज्य मंत्री माधुरी मिसाल तथा साइक्लिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव दातो मणिंदर पाल सिंह मंच पर उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने पुणे जिले को इतिहास, संस्कृति और आधुनिकता का अनूठा संगम बताते हुए कहा कि इस क्षेत्र का हर किलोमीटर शौर्य, परंपरा और विरासत की कहानी कहता है। उन्होंने कहा कि पुणे न केवल एक सांस्कृतिक राजधानी है, बल्कि प्रौद्योगिकी, विनिर्माण और सूचना प्रौद्योगिकी का प्रमुख केंद्र भी है। साथ ही पश्चिमी घाटों की प्राकृतिक सुंदरता इस प्रतियोगिता को एक विशिष्ट पहचान प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि यह प्रतियोगिता शीघ्र ही वैश्विक खेल कैलेंडर में एक प्रतिष्ठित वार्षिक आयोजन बनेगी और पुणे जिले को खेल एवं पर्यटन के अंतरराष्ट्रीय मानचित्र पर प्रमुख स्थान दिलाएगी।

उन्होंने कहा कि बजाज पुणे ग्रैंड टूर 2026 एक ऐसे मार्ग की शुरुआत है जो सदियों तक कायम रहेगा। इस आयोजन के साथ अनेक सहायक पहलें भी की जाएंगी, जिससे पर्यटकों को प्रकृति के सौंदर्य के साथ-साथ छत्रपति शिवाजी महाराज के ऐतिहासिक किलों के दर्शन का अवसर मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने महाराष्ट्र सरकार की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन देते हुए कहा कि यह प्रयास किया जाएगा कि यह प्रतियोगिता यूनियन साइक्लिस्ट इंटरनेशनल के इतिहास में एक मील का पत्थर बने। उन्होंने सभी साइकिल चालकों से खेल भावना के साथ प्रतिस्पर्धा करने और आयोजन की सफलता में योगदान देने का भी आह्वान किया।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने राज्य सरकार की ओर से कम से कम 35 देशों से

आए अंतरराष्ट्रीय साइकिल चालकों, प्रबंधकों, प्रशिक्षकों और सहायक स्टाफ का स्वागत किया तथा इस भव्य और सुव्यवस्थित आयोजन के लिए पुणे जिला प्रशासन और सभी सरकारी एजेंसियों की सराहना की।

उन्होंने कहा कि बहुत ही कम समय में अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयारियां पूरी करना प्रशंसनीय है और विश्वस्तरीय साइक्लिंग प्रतियोगिता की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए 437 किलोमीटर सड़कों का विकास किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केवल सड़कें ही नहीं, बल्कि आवश्यक समस्त अवसंरचना और सुविधाएं भी तैयार की गई हैं। उन्होंने इन कार्यों की गति को अभूतपूर्व बताते हुए कहा कि अपने तीन दशकों के प्रशासनिक अनुभव में उन्होंने किसी बड़े आयोजन की इतनी तेज और कुशल तैयारी बहुत कम देखी है। उन्होंने इस कार्य में लगे सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की निष्ठा की सराहना की।

इससे पूर्व, अपने प्रास्ताविक भाषण में पुणे संभागीय आयुक्त डॉ. चंद्रकांत पुलकुंडवार ने कहा कि बजाज पुणे ग्रैंड टूर 2026 खेल, पर्यटन और अंतरराष्ट्रीय छवि निर्माण के क्षेत्र में पुणे और महाराष्ट्र के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध होगा। उन्होंने प्रशासन के समन्वित प्रयासों की सराहना करते हुए पुणे के नागरिकों से इस ऐतिहासिक साइक्लिंग आयोजन में उत्साहपूर्वक भाग लेने की अपील की।

इस अवसर पर सांसद प्रो. मेधा कुलकर्णी, विधायक उमा खापरे, अमित गोरखे, राहुल कुल, महेश लांडगे, चेतन तुपे, हेमंत रासने, शंकर जगताप, महाराष्ट्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्रवण हार्दिकर, पुणे महानगरपालिका आयुक्त नवल किशोर राम, पुणे शहर पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार, पिंपरी-चिंचवड़ पुलिस आयुक्त विनय कुमार चौबे, जिलाधिकारी जितेंद्र डूडी, राज्य क्रीड़ा आयुक्त शीतल टेली-उगाले तथा जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गजानन पाटिल सहित अनेक गणमान्य उपस्थित थे।

भारतीय परिधान को समर्पित एक अनूठी श्रद्धांजलि

जब मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंच पर विश्वभर से आए साइकिल चालकों का स्वागत किया, तो उनके पारंपरिक भारतीय परिधानों ने विशेष ध्यान आकर्षित किया। कुर्ता, पायजामा और जैकेट पहने साइकिल चालक एक उत्सवी भारतीय वेशभूषा में नजर आए, जो वैश्विक मंच पर भारतीय संस्कृति के गौरव का प्रतीक बना।

विभिन्न भाषाओं, देशों और संस्कृतियों का प्रतिनिधित्व करने वाले साइकिल चालक पारंपरिक भारतीय परिधान में मंच पर एक साथ खड़े दिखाई दिए। यह केवल औपचारिक स्वागत नहीं, बल्कि 'वसुधैव कुटुंबकम' (संपूर्ण विश्व एक परिवार है) की भारतीय भावना का सजीव प्रतीक था।

भारतीय पारंपरिक परिधान धारण कर अंतरराष्ट्रीय अतिथियों ने आत्मीयता और सांस्कृतिक सौहार्द का संदेश दिया। इस अनूठे दृश्य ने भारत की सांस्कृतिक समृद्धि, आतिथ्य और वैश्विक जुड़ाव की क्षमता को उजागर किया और यह अवसर उपस्थित लोगों के साथ-साथ विश्वभर के दर्शकों के लिए भी अविस्मरणीय बन गया।

राज्य के युवाओं को विश्वभर से रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे

विभिन्न देशों में रोजगार के समन्वय हेतु 'महिमा' संस्था की स्थापना

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

आज आयोजित राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में विश्व के विभिन्न देशों में रोजगार से संबंधित विषयों के समन्वय एवं क्रियान्वयन के लिए महाराष्ट्र एजेंसी फॉर होलिस्टिक इंटरनेशनल मोबिलिटी एंड एडवांसमेंट्स की स्थापना एवं संचालन को मंजूरी दी गई। यह बैठक मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस संस्था के माध्यम से महाराष्ट्र के युवाओं को विभिन्न देशों में उपलब्ध रोजगार एवं अवसरों की जानकारी प्रदान की जाएगी।

भारत में कार्यशील आयु वर्ग (आयु 18 से 45 वर्ष) की जनसंख्या 60 से 65 प्रतिशत है। इस वर्ग को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना एक बड़ी चुनौती है। इस दिशा में महाराष्ट्र राज्य कौशल, रोजगार, उद्यमिता एवं नवाचार विभाग सहित अन्य विभागों के माध्यम से देश एवं विदेश की औद्योगिक संस्थाओं को राज्य से प्रशिक्षित मानव संसाधन उपलब्ध कराने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

महाराष्ट्र में सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र में 1000 से अधिक शैक्षणिक एवं प्रशिक्षण संस्थानों का व्यापक नेटवर्क उपलब्ध है। कृषि एवं उससे संबद्ध क्षेत्रों, उद्योग, निर्माण, स्वास्थ्य सेवाएं, आतिथ्य, लॉजिस्टिक्स, बैंकिंग तथा सेवा क्षेत्रों में लाखों कुशल श्रमिक तैयार किए जा रहे हैं।

विकसित देशों में उपलब्ध रोजगार अवसरों तथा देश में प्राप्त वेतन की तुलना में अधिक वेतन होने के कारण पिछले कुछ वर्षों से भारतीय युवाओं का रुझान अंतरराष्ट्रीय रोजगार की ओर बढ़ा है। इसमें महाराष्ट्र के कामगारों एवं विद्यार्थियों का अनुपात उल्लेखनीय है। केरल, तेलंगाना एवं आंध्र प्रदेश राज्यों ने विदेशों में रोजगार के प्रभावी समन्वय एवं क्रियान्वयन के लिए एक छत्र संस्था की स्थापना की है। इसी प्रकार आज महाराष्ट्र समग्र अंतरराष्ट्रीय मोबिलिटी एवं क्षमता निर्माण संस्था की स्थापना एवं संचालन को स्वीकृति प्रदान की गई है।

महाराष्ट्र समग्र अंतरराष्ट्रीय मोबिलिटी एवं क्षमता निर्माण संस्था के संबंध में इस संस्था का संचालन 9 सदस्यीय निदेशक मंडल द्वारा किया जाएगा। इसके अतिरिक्त महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में एक परामर्शदात्री परिषद का गठन किया जाएगा। महिमा संस्था के माध्यम से एनएसडीसी-इंटरनेशनल विभिन्न सरकारी विभागों, कौशल विश्वविद्यालयों, प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों, कौशल एवं भाषा प्रशिक्षण संस्थानों, औद्योगिक संघों तथा प्रतिष्ठित भर्ती एजेंसियों के सहयोग से विदेशों में रोजगार अवसरों के लिए एक सुदृढ़ तंत्र विकसित करेगा।

संस्था का मुख्यालय मुंबई में स्थापित किया जाएगा तथा दैनिक कार्य संचालन के लिए मुंबई में ही 5 विभागीय कार्यालय कार्यरत रहेंगे। मानव संसाधन की नियुक्ति प्रतिनियुक्ति तथा बाह्य स्रोतों के माध्यम से की जाएगी। संस्था के लिए एकमुश्त 2 करोड़ रुपये की अंश पूंजी उपलब्ध कराई जाएगी। पहले 3 वर्षों में मुख्यालय, 5 विभागीय कार्यालयों तथा विभिन्न प्रशिक्षण एवं परामर्श कार्यक्रमों के संचालन हेतु अनुमानित 132 करोड़ रुपये का व्यय अपेक्षित है।

सरकार से सरकार व्यवस्था के अंतर्गत यह संस्था अन्य देशों की सरकारों की मांग के अनुरूप कुशल मानव संसाधन उपलब्ध कराने के लिए भारत सरकार के विदेश मंत्रालय से 'रिक्रूटमेंट एजेंसी' लाइसेंस प्राप्त करेगी।

महिमा संस्था को बजटीय प्रावधानों के साथ-साथ विभिन्न स्रोतों से प्राप्त आय, जैसे कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व निधि, स्वैच्छिक दान, शुल्क संग्रह तथा अन्य स्रोतों से प्राप्त धनराशि का उपयोग करने की अनुमति होगी।

Mumbai में फिर लौटा Resort Politics, BMC में 'किंगमेकर' बने Shinde को सता रहा दलबदल का डर

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनावों में महायुति की शानदार जीत के बाद महाराष्ट्र में रिसॉर्ट की राजनीति शुरू होती दिख रही है। सूत्रों ने शनिवार को बताया कि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने अपने सभी नवनिर्वाचित पार्षदों को एक पांच सितारा होटल में ठहराने का फैसला किया है। बीएमसी चुनावों में शिवसेना के किंगमेकर बनकर उभरने के बाद, दलबदल की आशंकाओं के मद्देनजर यह कदम उठाया गया है।

सूत्रों के अनुसार, शिंदे सेना के सभी 29 पार्षद कम से कम तीन दिनों के लिए मुंबई के बांद्रा स्थित पांच सितारा होटल ताज लैंड्स एंड में ठहरेंगे। कई लोग इसे बीएमसी में सत्ता की मजबूत हिस्सेदारी हासिल करने के लिए शिवसेना की दबाव बनाने की रणनीति के रूप में भी देख रहे हैं। बीएमसी भारत का सबसे धनी नगर निकाय है। ठाकरे परिवार के गढ़ में सेंध लगाते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के गठबंधन ने बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) चुनावों में 227 में से 118 सीट जीतकर शुक्रवार को बहुमत हासिल कर लिया।

भाजपा के 89 सीट जीतने और शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना को 29 सीट मिलने के साथ ही गठबंधन ने देश के सबसे धनी नगर निकाय पर नियंत्रण पाने के लिए आवश्यक 114 सीट का आंकड़ा पार कर लिया। शिवसेना (उबाठा)-महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे)-राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शप) गठबंधन 72 सीट जीतने में कामयाब रहा। अविभाजित शिवसेना ने 1997 से 25 वर्षों तक नगर निकाय पर शासन किया था।

उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (उबाठा) ने 65 सीट जीतीं जबकि राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) ने छह सीट जीतीं और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) को केवल एक सीट मिली। अन्य दलों में, कांग्रेस ने 24 सीटें, एआईएमआईएम ने आठ, अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा ने तीन और समाजवादी पार्टी ने दो सीटें जीतीं। नौ साल के अंतराल के बाद हुए इन बहुचर्चित चुनावों में दो निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी जीत हासिल की।

वित्त और सांख्यिकी निदेशालय अब कमिश्नरेट, 1,901 पदों के स्ट्रक्चर को मंजूरी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

वित्त और सांख्यिकी निदेशालय के 1,901 पदों के स्ट्रक्चर को आज राज्य कैबिनेट की बैठक में मंजूरी दी गई। इसके साथ ही, वित्त और सांख्यिकी निदेशालय का नाम बदलकर वित्त और सांख्यिकी कमिश्नरेट करने को भी मंजूरी दी गई। बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने की।

वित्त विभाग के निर्देशों के अनुसार, वित्त और सांख्यिकी निदेशालय के कामकाज और मंजूर पदों की समीक्षा की गई। इसके अनुसार, वित्त और सांख्यिकी निदेशालय के 996 पदों और 212 अतिरिक्त पदों, जिला योजना समितियों के 576 पदों, संयुक्त आयुक्त (योजना) के कार्यालयों, संभागीय आयुक्त कार्यालय और वैधानिक विकास बोर्ड के 51 पदों सहित कुल 1901 पदों को आज मंजूरी दी गई।

इसके साथ ही, मानव विकास कार्यक्रम से 95 पदों को वित्त और सांख्यिकी निदेशालय के कार्यालय में, तीर्थयात्रा विकास कार्यक्रम कार्यालय से नौ पदों को संयुक्त आयुक्त (योजना) के कार्यालय में, और नक्सल प्रभावित विशेष कार्य इकाई से तीन पदों को जिला योजना समिति के कार्यालय में समायोजित करने को भी मंजूरी दी गई। चूंकि वित्त और सांख्यिकी निदेशालय का नाम बदलकर वित्त और सांख्यिकी कमिश्नरेट कर दिया गया है, इसलिए पदनामों में संबंधित बदलावों को भी मंजूरी दी गई है।

यूएस -महाराष्ट्र में बढ़ेगा व्यापार-निवेश, फडणवीस से अमेरिकी राजदूत की मुलाकात में बनी खास रणनीति

मुंबई।भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने शनिवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने व्यापार, मनोरंजन, प्रौद्योगिकी और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में संबंधों को मजबूत करने के लिए रणनीतिक प्राथमिकताओं पर चर्चा की। अमेरिकी राजदूत ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा आज मेरी महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ एक शानदार मुलाकात हुई! हमने व्यापार और निवेश, मनोरंजन, प्रौद्योगिकी, विनिर्माण, ऊर्जा और स्वास्थ्य सहित प्रमुख क्षेत्रों में संयुक्त राज्य अमेरिका और महाराष्ट्र के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए हमारी साझा रणनीतिक प्राथमिकताओं पर चर्चा की। हम मिलकर बहुत कुछ कर सकते हैं!

मुख्यमंत्री फडणवीस ने शनिवार को कहा कि उन्होंने नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा शहर सहित कुछ प्रमुख और रणनीतिक पहलों के बारे में जानकारी साझा की। दोनों पक्षों ने अमेरिका-महाराष्ट्र साझेदारी को और गहरा करने के लिए मिलकर काम करने पर सहमति जताई। मुंबई स्थित अपने आधिकारिक आवास पर भारत में अमेरिकी राजदूत महामहिम सर्जियो गोर का स्वागत करते हुए मुझे सम्मानित और प्रसन्नता हुई। उनके साथ मुख्यमंत्री माइकल श्रेउडर भी उपस्थित थे। हमने महाराष्ट्र और अमेरिका के बीच सहयोग के विस्तार और उसे गहरा करने पर बहुत ही सार्थक चर्चा की। हमने महाराष्ट्र में अमेरिकी निवेश को बढ़ावा देने और महाराष्ट्र की कंपनियों द्वारा अमेरिका में अपनी उपस्थिति बढ़ाने सहित कई विषयों पर भी चर्चा की। मैंने नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा शहर सहित हमारी कुछ प्रमुख और रणनीतिक पहलों के बारे में जानकारी साझा की। दोनों पक्षों ने अमेरिका-महाराष्ट्र साझेदारी को और गहरा करने के लिए मिलकर काम करने पर सहमति जताई।

इससे पहले, भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने शनिवार को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा से मुलाकात कर विशेष रूप से प्रौद्योगिकी क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में गोर ने कहा कि आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ??से मिलकर बहुत अच्छा लगा। हमने अत्याधुनिक अमेरिकी प्रौद्योगिकी सहित सहयोग बढ़ाने के क्षेत्रों पर चर्चा की। गोर ने भारत यात्रा के दौरान टाटा कंपनीज के अध्यक्ष एन चंद्रशेखरन से भी मुलाकात की। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा, टाटा कंपनीज के अध्यक्ष एन चंद्रशेखरन के साथ मेरी एक सार्थक बैठक हुई। टाटा कंपनीज एक 150 साल पुरानी प्रभावशाली विरासत और अमेरिका में महत्वपूर्ण उपस्थिति वाला समूह है।

राज ठाकरे ने बीएमसी चुनाव में मनसे के खराब प्रदर्शन को स्वीकार किया

मुंबई। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने शनिवार को बीएमसी चुनाव में उम्मीदों के मुताबिक पार्टी के प्रदर्शन न कर पाने की बात स्वीकार की और मराठी मानुष के लिए लड़ाई जारी रखने की बात कही।

राज ठाकरे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में बीएमसी चुनावों को 'शिव शक्ति और धनशक्ति' के बीच की लड़ाई बताया, और पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि इस हार से निराश नहीं हों।

मनसे प्रमुख ने 20 साल के अंतराल के बाद शिवसेना (उबाठा) अध्यक्ष और चचेरे भाई उद्धव ठाकरे के साथ बीएमसी चुनाव के लिए हाथ मिलाया था। दोनों ने सबसे धनी नगर निकाय बृहमुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) में जीत हासिल करने के लिए खुद को मराठी अस्मिता के रक्षक के रूप में प्रस्तुत किया था।

राज ठाकरे ने बीएमसी चुनाव परिणामों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए शिवसेना (उबाठा) और मनसे कार्यकर्ताओं की सराहना की। शिवसेना (उबाठा) ने 227 सदस्यीय बीएमसी के चुनाव में 65 सीट जीतीं, जबकि मनसे केवल छह सीट जीत पाई।

राज ठाकरे ने अपनी पोस्ट में मनसे और शिव सेना (उबाठा) दोनों के कार्यकर्ताओं की सराहना करते हुए कहा कि यह लड़ाई आसान नहीं रही। उन्होंने लिखा, "यह लड़ाई 'शिव शक्ति' और धनशक्ति के बीच थी। फिर भी पार्टी कार्यकर्ताओं ने बहुत अच्छी लड़ाई लड़ी।" राज ठाकरे ने चुनाव परिणाम पार्टी के पक्ष में न आने के बावजूद कार्यकर्ताओं के संघर्ष को सराहा और उन्हें प्रोत्साहित किया।

मुंबई में सिर्फ दो भाई एकनाथ और देवेंद्र, जयचंद पर शिवसेना का पलटवार- पार्टी टूटने के असली जिम्मेदार संजय राउत

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

शिवसेना प्रवक्ता सुसीबेन शाह ने शनिवार को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को 'जयचंद' कहने पर संजय राउत की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि पार्टी का विभाजन शिवसेना (यूबीटी) सांसद की वजह से हुआ है और उन्होंने राउत से पिछले कुछ वर्षों के अपने आचरण पर गौर करने को कहा। एएनआई से बात करते हुए शाह ने कहा, जहाँ तक संजय राउत का सवाल है, उन्हें पिछले कुछ वर्षों के अपने आचरण पर गौर करना चाहिए। उन्हीं की वजह से शिवसेना का विभाजन हुआ। उन्होंने महाराष्ट्र के नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)-शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) गठबंधन को बीएमसी चुनावों में सबसे बड़ा गठबंधन बनने में सहयोग दिया।

शाह ने कहा कि सबसे पहले, मैं महाराष्ट्र के नागरिकों, मुंबई के नागरिकों को

हमें शानदार जीत दिलाने के लिए धन्यवाद देना चाहूंगी। हम सबका साथ, सबका विकास और महा विकास की दिशा में काम करेंगे।

उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि भाजपा और शिवसेना से मिलकर बनी सत्तारूढ़ महायुति के पास बहुमत है और मुंबई में अपना मेयर नियुक्त करने के लिए पर्याप्त संख्या बल है। महायुति के पास बहुमत है, संख्या बल है और अपना मेयर नियुक्त करने के लिए पर्याप्त संख्या बल है। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और एकनाथ शिंदे साथ बैठकर एक सम्मानजनक समाधान निकालेंगे। मुंबई में सिर्फ दो भाई हैं, देवेंद्र फडणवीस और एकनाथ शिंदे। यह विवाद शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत द्वारा आज बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनाव परिणामों के बाद महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर तीखा हमला करने के बाद सामने आया है।

राउत ने आरोप लगाया कि अगर शिंदे ने पार्टी के साथ 'विश्वासघात' न किया होता तो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शहर के नगर निकाय में कभी पैर नहीं जमा पाती। राउत ने यह भी कहा कि मराठी लोग शिंदे को 'जयचंद' के रूप में याद रखेंगे। एक पोस्ट में राउत ने शक्तिशाली गहड़वाला वंश के राजपूत शासक जयचंद का ऐतिहासिक संदर्भ देते हुए शिंदे पर विश्वासघात का आरोप लगाया। जयचंद लोककथाओं में पृथ्वीराज चौहान के विरुद्ध मुहम्मद गोरी का साथ देने के लिए जाने जाते हैं।

उलवे में पद्मावती देवी मंदिर हेतु तिरुपति देवस्थानम को नाममात्र दर पर भूखंड, शुल्क माफ

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

आयोजित राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में श्री पद्मावती अम्मावारी मंदिर के निर्माण हेतु तिरुमला तिरुपति देवस्थानम बोर्ड को आवंटित भूखंड को प्रति वर्ग मीटर 1 रुपये की दर से देने की स्वीकृति प्रदान की गई। यह बैठक मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

तिरुमला तिरुपति देवस्थानम बोर्ड ने 29 फरवरी 2024 को सीडको महामंडल से उलवे नोड, सेक्टर 12 में 3.6 एकड़ भूमि श्री पद्मावती अम्मावारी मंदिर के निर्माण हेतु आवंटित करने का अनुरोध किया था। इस संबंध में 12 मार्च 2024 को शासन निर्णय भी जारी किया गया था। उस समय यह उल्लेख किया गया था कि भूमि मूल्य एवं भूमि उपयोग नीति 2018 के अनुसार दर वसूल की जाए। हालांकि, अब तिरुमला तिरुपति देवस्थानम बोर्ड ने श्री वेंकटेश्वर मंदिर के लिए दिए गए भूखंड की तर्ज पर श्री पद्मावती अम्मावारी मंदिर के निर्माण हेतु भूमि प्रति वर्ग मीटर 1 रुपये की दर से देने तथा सेवा कर सहित अन्य विविध शुल्क माफ करने का अनुरोध सीडको महामंडल से किया। इसके अनुसार सीडको महामंडल ने इस संबंध में प्रस्ताव पारित कर मंत्रिमंडल की स्वीकृति हेतु भेजा था। आज आयोजित मंत्रिमंडल की बैठक में इस प्रस्ताव पर चर्चा की गई। श्री पद्मावती अम्मावारी देवी का मूल मंदिर तिरुपति के निकट तिरुचनूर में स्थित है। यह मंदिर भगवान वेंकटेश्वर के साथ-साथ श्रद्धालुओं के लिए प्रमुख आस्था का केंद्र है। श्री पद्मावती अम्मावारी देवी के मंदिर अमरावती, विजयनगरम (आंध्र प्रदेश), हैदराबाद, भुवनेश्वर, चेन्नई, बेंगलुरु, कुरुक्षेत्र, नई दिल्ली तथा जम्मू में भी स्थित हैं।

यदि श्री पद्मावती अम्मावारी देवी का मंदिर स्थापित किया जाता है, तो पर्यटन को भी प्रोत्साहन मिलने की संभावना है। यह मंदिर पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनेगा तथा संबंधित क्षेत्र को धार्मिक एवं सामाजिक महत्व प्राप्त होगा। इसके माध्यम से क्षेत्र में अनेक सामाजिक गतिविधियाँ भी संचालित की जा सकेंगी।

इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए श्री पद्मावती अम्मावारी मंदिर के निर्माण हेतु तिरुमला तिरुपति देवस्थानम बोर्ड को आवंटित भूखंड प्रति वर्ग मीटर 1 रुपये की दर से देने के निर्णय को मंत्रिमंडल द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई।

सम्पादकीय

बीएमसी चुनाव 2026 के सियासी मायने, महायुति के राजनीतिक कौशल को मिली जनस्वीकृति

बीएमसी चुनाव 2026 में भाजपा-शिवसेना (शिंदे) गठबंधन ने ऐतिहासिक जीत हासिल की, जिसमें भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। यह जीत ठाकरे परिवार के तीन दशक पुराने दबदबे को समाप्त करती है। बीएमसी के 227 वार्डों में बहुमत चिह्न 114 है, जहां महायुति 118 वार्डों में विजयी रही। इस चुनाव में भाजपा ने 89 सीटें जीतीं, जबकि शिंदे की शिवसेना को 29 मिलीं, जिससे महायुति गठबंधन को 118 सीटों का बहुमत प्राप्त हुआ। जबकि शिवसेना (यूबीटी) को मात्र 65 सीटें मिलीं, जो अपेक्षाकृत कमजोर प्रदर्शन रहा। वहीं, कांग्रेस को 24, एआईएमआईएम को 8 एनसीपी अजीत पवार को 3, सपा को 2 और एनसीपी शरद पवार को 1 सीट मिली। वहीं, राज्य के अन्य निकायों में भी भाजपा ने 25 में से 29 पर कब्जा जमाया।

देखा जाए तो कुल 227 वार्डों में मुंबई की सबसे अमीर निगम या यूं कहें देश के भी सबसे अमीर नगर निगम पर भाजपा नीत गठबंधन का कब्जा हो गया। महाराष्ट्र के नगर निकाय चुनावों, विशेषकर बीएमसी में, भाजपा-शिंदे शिवसेना गठबंधन ने बहुमत हासिल कर बड़ा जीत दर्ज की है। यह परिणाम ठाकरे गुट की लंबी हुकूमत को समाप्त करता है और राज्य की सियासत में महायुति की मजबूती दर्शाता है। वहीं, पहली बार एआईएमआईएम ने अपेक्षाकृत अच्छा प्रदर्शन किया, जिससे सेक्यूलरों का जनाधार खिसका।

इसके राजनीतिक मायने अहम हैं क्योंकि यह जीत महाराष्ट्र में भाजपा को शहरी राजनीति का 'असली किंग' बनाती है, जो उसके राज्यव्यापी प्रभाव को मजबूत करती है। खास बात यह कि तमाम व्यक्तिगत विरोधाभासों के बावजूद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शिंदे गुट के साथ गठबंधन करके न केवल मराठी वोटों को विभाजित किया बल्कि उस विपक्ष को पूरी तरह से कमजोर किया, जो विगत तीन दशकों से बीएमसी पर हावी था।

एक बात और, महायुति के विकास के एजेंडे ने मुम्बई में पहचान की राजनीति को बहुत पीछे छोड़ दिया। खासकर ठाकरे भाइयों (उद्धव-राज) की हार से विपक्षी एकता की कमी उजागर हुई। वहीं चाचा-भतीजा एकता यानी शरद पवार और अजित पवार की एकता भी उनके हक में कोई रंग नहीं दिखा सकी। वहीं, कांग्रेस को भी कोई खास फायदा नहीं मिला। कुलमिलाकर बिखरे विपक्ष ने महायुति की राह आसान बना दी।

देखा जाए तो मराठवाड़ा के वैभव को वापिस पाने के घिसे पिटे मुद्दे पर क्षेत्रीय क्षत्रपों यानी ठाकरे परिवार और पवार परिवार की सियासी एकता भी फुस्स हो गई। इसका महाराष्ट्र की सियासत पर दूरगामी प्रभाव पड़ेगा और अब एकनाथ शिंदे की बारगेनिंग पावर भी बढ़ेगी। हालांकि, देवेंद्र फडणवीस उनकी कितनी सुनेंगे, यह आने वाला वक्त बताएगा।

बता दें कि महायुति ने 29 निगमों में व्यापक जीत दर्ज की, जो आगामी विधानसभा चुनावों के लिए मजबूत आधार तैयार करती है। वहीं, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की नेतृत्व क्षमता को इससे नया बल मिला है, जबकि कांग्रेस और एनसीपी जैसे दल सियासी हाशिए पर सिमट गए। इससे राज्य में 'ट्रिपल इंजन' की सरकार का विस्तार होगा और जनहितकारी कार्य करने में भाजपा नीत महायुति को बल मिलेगा। जहां तक राष्ट्रीय संदर्भ की बात है तो बीएमसी जैसी महत्वपूर्ण जीत भाजपा को राष्ट्रीय स्तर पर शहरी गठबंधनों को मजबूत करने का संदेश देती है। यह 2024 लोकसभा चुनावों के बाद भाजपा की वापसी दर्शाती है, जो विकास-केंद्रित नीतियों पर जोर देती है। वहीं, महाराष्ट्र नगर निकाय चुनाव विपक्ष के लिए यह चेतावनी है कि क्षेत्रीय दलों का विभाजन जारी रहेगा।

इसका राजनीतिक संदेश भी स्पष्ट है। सच कहें तो यह जीत मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अगुवाई वाली महायुति को भविष्य के विधानसभा और राष्ट्रीय चुनावों के लिए मजबूत आधार देती है। खासकर विकास परियोजनाओं जैसे मेट्रो, कोस्टल रोड और एअरपोर्ट पर जोर ने मतदाताओं को प्रभावित किया। वहीं विपक्षी महाविकास अघाड़ी की हार संगठनात्मक कमजोरी को उजागर करती है। अब बीएमसी पर नियंत्रण से मुंबई में इंफ्रास्ट्रक्चर, शहरी नियोजन और सेवाओं में बदलाव संभव है। यह शहरी महाराष्ट्र में भाजपा के विस्तार को रेखांकित करता है और ठाकरे ब्रांड को पीछे धकेलता है। इससे राज्य स्तर पर महायुति का प्रभुत्व बढ़ेगा।

हार की ज़िम्मेदारी, जीत का संयमः देवेंद्र फडणवीस की राजनीति

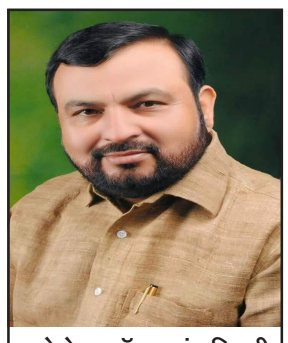

प्रोफ़ेसर डॉ दयानंद तिवारी
प्रवक्ता भाजपा,
मुंबई, महाराष्ट्र

एक पुरानी कहावत है–सफलता के सौ बाप होते हैं, लेकिन असफलता हमेशा अनाथ रहती है। राजनीति में यह कहावत सबसे ज़्यादा सच साबित होती है। जीत के समय भीड़ होती है, लेकिन हार के वक्त बहुत कम लोग सामने खड़े रहते हैं। महाराष्ट्र की राजनीति में अगर किसी एक नेता ने हार को खुले दिल से स्वीकार किया और जीत को संयम के साथ संभाला, तो वह नाम है–देवेंद्र फडणवीस।

नेतृत्व का असली अर्थः पद नहीं, ज़िम्मेदारी

मुख्यमंत्री रह चुका नेता जब उपमुख्यमंत्री का पद स्वीकार करता है, तो वह सिर्फ़ राजनीतिक निर्णय नहीं होता–वह नेतृत्व की परीक्षा होती है। देवेंद्र फडणवीस इस परीक्षा में खरे उतरे। सत्ता से बड़ा संगठन और पद से बड़ी ज़िम्मेदारी–इस सिद्धांत को उन्होंने व्यवहार में उतारा।

मोदी युग से पहले महाराष्ट्र में बीजेपी को हमेशा शिवसेना की जूनियर पार्टी माना जाता था, वह भी उस राज्य में जहाँ एए का मुख्यालय है। लेकिन फडणवीस ने उस धारणा को बदलने का बीड़ा उठाया।

2014: जब भविष्यवाणियाँ टूटीं

2014 में बीजेपी-शिवसेना का गठबंधन टूटा तो लगभग सभी राजनीतिक विश्लेषकों ने बीजेपी के पतन की भविष्यवाणी कर दी। लेकिन 'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन' के भाव के साथ देवेंद्र फडणवीस ने चुनाव लड़ा–और नतीजा इतिहास बन गया।

बीजेपी पहली बार सत्ता में आई और देवेंद्र फडणवीस मुख्यमंत्री बने।

2019 से 2022: चुपचाप बुनी गई रणनीति

2019 में सत्ता हाथ से गई। कुछ घंटों का मुख्यमंत्री बनना राजनीतिक मज़ाक बना दिया गया। तंज, आलोचना और ट्रोलिंग–सब कुछ हुआ। लेकिन फडणवीस ने न शोर मचाया, न शिकायत की। नेता प्रतिपक्ष के रूप में उन्होंने वह आधार तैयार किया, जिसने शिवसेना और NCP की राजनीति को अंदर से कमजोर कर दिया। जो ताक़तें उन्हें सत्ता से दूर करने का दावा कर रही थीं, वही धीरे-धीरे अप्रासंगिक होती चली गईं।

2024: अकेले दम पर सत्ता

2024 में वह सपना पूरा हुआ जिसे वर्षों तक असंभव कहा गया–बीजेपी अपने दम पर सत्ता में आई। यह सिर्फ़ चुनावी जीत नहीं थी, यह रणनीतिक धैर्य और निरंतर परिश्रम की जीत थी।

और एक बार फिर, देवेंद्र फडणवीस सत्ता के केंद्र में थे–लेकिन बिना शोर के।

आखिरी क़िलाः BMC और मुंबई

देवेंद्र फडणवीस की राजनीतिक यात्रा का सबसे निर्णायक अध्याय तब लिखा गया, जब दशकों से शिवसेना का गढ़ मानी जाने वाली BMC में बीजेपी ने मेयर पद हासिल किया।

जहाँ विरोधियों की राजनीति डर और विभाजन पर टिकी थी, वहीं बीजेपी का अभियान काम, विश्वसनीयता और विकास पर केंद्रित रहा।

नतीजा–मुंबई में इतिहास।

अब सिर्फ़ डबल नहीं, ट्रिपल इंजन सरकार।

कम शोर, बड़ी जीत

इस पूरी यात्रा में अगर किसी एक व्यक्ति ने हार में सबसे ज़्यादा सहा और जीत में सबसे कम शोर मचाया, तो वह देवेंद्र फडणवीस हैं।

जब पार्टी गिरी, वे आगे खड़े रहे।

जब पार्टी जीती, वे पीछे हट गए।

आज उनकी सफलता सिर्फ़ सत्ता की कहानी नहीं है–यह धैर्य, अनुशासन और दीर्घकालीन दृष्टि की जीत है।

कहा जाता है दुनिया चढ़ते सूरज को सलाम करती है–और आज महाराष्ट्र की राजनीति में वह चढ़ता सूरज हैः देवेंद्र फडणवीस।

इस्लाम में महिलाओं की स्वतंत्रताः सिद्धांत, भ्रांतियाँ और आगे की राह..

इस्लाम में महिलाओं की स्वतंत्रता पर होने वाली चर्चा अक्सर रूढ़िवादी धारणाओं, सांस्कृतिक आदतों और राजनीतिक शोर से प्रभावित रहती है। बहुत से लोग इस्लामी स्रोतों का गहराई से अध्ययन नहीं करते। लेकिन जब मूल इस्लामी शिक्षाओं को समझा जाता है, तो एक स्पष्ट तस्वीर सामने आती हैः जिस दौर में महिलाओं के पास लगभग कोई अधिकार नहीं थे, उस समय इस्लाम ने महिलाओं के लिए ठोस और मजबूत अधिकार निर्धारित किए।

जब कुरआन अवतरित हुआ, तब अरब समाज में महिलाओं को बहुत कम संरक्षण प्राप्त था। कुछ महिलाओं को विरासत से वंचित किया जाता था, तो कुछ के साथ संपत्ति की तरह व्यवहार किया जाता था। इस्लाम ने इन प्रथाओं को तोड़ते हुए यह घोषणा की कि स्त्री और पुरुष एक ही आत्मा से उत्पन्न हुए हैं और आध्यात्मिक दृष्टि से दोनों का मूल्य समान है। यही सिद्धांत परिवार, शिक्षा और समाज में महिलाओं के अधिकारों की नींव बना।

विवाह के समय महिला को महर (दहेज नहीं, बल्कि पति द्वारा दिया जाने वाला धन या संपत्ति) दिया जाता है, जो उसका पूर्णतः निजी अधिकार होता है। घर के खर्च के लिए अपनी व्यक्तिगत संपत्ति खर्च करने की उस पर कोई धार्मिक जिम्मेदारी नहीं होती; यह जिम्मेदारी पूरी तरह पति की होती है। यह आर्थिक स्वायत्तता महिलाओं की स्वतंत्रता की रक्षा करती है और यह सुनिश्चित करती है कि आर्थिक मजबूरी के कारण उन्हें किसी हिंसक या अवांछित संबंध में फँसे रहना न पड़े।

शिक्षा का अधिकार केवल एक सामाजिक सुविधा नहीं, बल्कि एक धार्मिक कर्तव्य है। पैग़म्बर मुहम्मद (सल्ल.) ने कहा कि ज्ञान प्राप्त करना हर मुसलमान–स्त्री और पुरुष दोनों–पर अनिवार्य है। इतिहास में ऐसी अनेक मुस्लिम महिलाओं के उदाहरण मिलते हैं जिन्होंने इस स्वतंत्रता का उपयोग कर विदुषी, क़ानून विशेषज्ञ और शैक्षणिक संस्थानों की संस्थापक के रूप में भूमिका निभाई। उदाहरण के लिए, फ़ातिमा अल-फ़िहरी ने अल-क़रविय्यीन विश्वविद्यालय की स्थापना की।

सामाजिक क्षेत्र में, चयन की स्वतंत्रता इस्लामी न्यायशास्त्र का एक अपरिवर्तनीय सिद्धांत है। दुनिया के विभिन्न हिस्सों में जबरन विवाह या महिलाओं की शिक्षा पर लगाए गए प्रतिबंधों जैसी सांस्कृतिक प्रथाओं को अक्सर धर्म से जोड़ दिया जाता है। जबकि इस्लाम का रुख स्पष्ट हैः विवाह या शिक्षा से संबंधित किसी भी निर्णय में महिला की स्वतंत्र और स्पष्ट सहमति के बिना वह अमान्य है। पिता, भाई या पति की भूमिका प्रतिबंध लगाने वालों की नहीं, बल्कि धार्मिक कर्तव्यों का पालन करने वाले सहायक (मित्रों) की होनी चाहिए।

इस सिद्धांत में तलाक़ का अधिकार भी शामिल है। इस्लामी क़ानून में यदि महिला के साथ अत्याचार हो या विवाह टिकाऊ न रह गया हो, तो विवाह विच्छेद के रास्ते उपलब्ध हैं। भले ही इतिहास में इन क़ानूनों की व्याख्या अलग-अलग तरीकों से की गई हो, लेकिन मूल सिद्धांत एक ही हैः महिला का कल्याण और मवद्दत व रहमा–प्रेम और करुणा–से युक्त जीवन का अधिकार।

इस्लाम में महिलाओं की स्वतंत्रता पर ईमानदार चर्चा करते समय आदर्श और वास्तविकता के बीच की दूरी को स्वीकार करना आवश्यक है। कई आधुनिक समाजों में धार्मिक ग्रंथों की पितृसत्तात्मक व्याख्याओं और कठोर सांस्कृतिक नियमों के ज़रिये इस्लाम द्वारा प्रदत्त स्वतंत्रता को ही दबा दिया गया है। इस तनाव का एक बड़ा कारण 'इस्लाम' (दैवी मार्गदर्शन) और 'मुस्लिम संस्कृति' (मानव-निर्मित संरचनाएँ) के बीच का भ्रम है।

राजनीतिक अस्थिरता, उपनिवेशवाद और कुछ क्षेत्रों में शब्दशः व कठोर विचारधाराओं के उभार ने महिलाओं के अधिकारों को पीछे धकेला है। परिणामस्वरूप, कई स्थानों पर महिलाओं को शिक्षा से वंचित किया जाता है, उनकी आवाजाही पर प्रतिबंध लगाए जाते हैं और उन्हें सार्वजनिक जीवन से दूर रखा जाता है। युवा, शिक्षित मुसलमानों, विद्वानों और विशेष रूप से मुस्लिम महिलाओं को कुरआन और पैग़म्बर की परंपरा के आधार पर इन प्रवृत्तियों को चुनौती देनी चाहिए। उन्हें यह स्पष्ट रूप से कहना चाहिए कि महिलाओं की स्वतंत्रता कोई पश्चिमी अवधारणा नहीं, बल्कि उनकी अपनी धार्मिक पहचान का मूल हिस्सा है।

इसके लिए इज्तिहाद–स्वतंत्र धार्मिक-वैधानिक चिंतन–महत्वपूर्ण है, जिसके माध्यम से पितृसत्तात्मक परंपराओं को चुनौती देकर न्याय और समानता जैसे इस्लामी मूल्यों को उजागर किया जा सकता है।

महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी भी इस्लामी परंपरा में उनकी स्वतंत्रता का एक महत्वपूर्ण पहलू है। इस्लाम के प्रारंभिक दौर से ही महिलाएँ सामुदायिक मामलों में सक्रिय रही हैं। इतिहास में महिलाओं द्वारा नेताओं को सलाह देने और आवश्यकता पड़ने पर युद्धों में भी भाग लेने के उदाहरण मिलते हैं।

आज इस विरासत का रूपांतरण वैश्विक स्तर पर मुस्लिम महिलाओं की राजनीतिक, वैज्ञानिक और कलात्मक क्षेत्रों में सक्रिय भागीदारी में होना चाहिए। सार्वजनिक जीवन में उनकी उपस्थिति धर्म से दूर जाना नहीं, बल्कि धार्मिक मूल्यों की अभिव्यक्ति है। भारतीय मुस्लिम समाज में–विशेषकर महिलाओं के बीच–इस दिशा में अपार संभावनाएँ हैं। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अग्रणी भूमिका निभाने वाली मुस्लिम महिलाओं की ऐतिहासिक विरासत को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। भारतीय मुस्लिम महिलाओं को अपनी धार्मिक पहचान को राजनीतिक, व्यावसायिक और सामाजिक आकांक्षाओं के साथ जोड़कर 'स्वतंत्र स्त्री' की अवधारणा को नए सिरे से परिभाषित करना होगा।

इस्लाम में महिलाओं की स्वतंत्रता एक गतिशील और विकसित होती प्रक्रिया है–ऐसी प्रक्रिया जिसमें महिला के चुनावों को, चाहे वे काम करने के हों, घर में रहने के हों, नेतृत्व करने के हों या सहयोग करने के, ईश्वरप्रदत्त अधिकारों की अभिव्यक्ति के रूप में मान्यता दी जाती है। इस्लामी ढाँचा मानवाधिकारों की वैश्विक बहस को एक अलग दृष्टि देता है, क्योंकि वह बताता है कि सच्ची स्वतंत्रता तभी मिलती है जब सामाजिक और क़ानूनी अधिकार उच्च नैतिक उद्देश्यों पर आधारित हों।

मानव व्यक्ति की अंतर्निहित गरिमा पर ज़ोर देते हुए, इस्लाम आधुनिक दुनिया में महिलाओं को झेलने पड़ने वाले विभिन्न प्रकार के शोषण के विरुद्ध मजबूत संरक्षण प्रदान करता है। आधुनिक मुस्लिम दुनिया–विशेषकर भारतीय मुस्लिम समाज–को इन आदर्शों को व्यवहार में उतारने के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए, ताकि प्रत्येक महिला के लिए स्वतंत्रता केवल एक अवधारणा न रहकर एक जीवंत वास्तविकता बन सके।

ऋतु परिवर्तन का लोकउत्सवः लोहड़ी और नई ऋतु की दस्तक

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत की लोकपरंपराएँ केवल पर्व-त्योहार नहीं होतीं, वे समाज की सामूहिक स्मृति, प्रकृति-बोध और जीवन-दर्शन की जीवित अभिव्यक्तियाँ होती हैं। ये परंपराएँ समय के साथ बदलती जरूर हैं, लेकिन अपने मूल में वे मनुष्य और प्रकृति के रिश्ते को सहेज कर रखती हैं। उत्तर भारत में मनाया जाने वाला लोहड़ी ऐसा ही एक लोकपर्व है, जो सर्दियों की विदाई और वसंत के स्वागत का प्रतीक बनकर सामने आता है। यह पर्व केवल मौसम के बदलने की सूचना नहीं देता, बल्कि जीवन-दृष्टि के बदलते अध्याय की घोषणा करता है–जहाँ ठिठुरन के बाद ऊष्मा, अंधकार के बाद प्रकाश और ठहराव के बाद नई ऊर्जा का आगमन होता है।

लोहड़ी का उत्सव प्रकृति के उस चक्र का उत्सव है, जिसमें हर ठहराव के बाद गति और हर कठिनाई के बाद संभावना जन्म लेती है। यह पर्व हमें यह याद दिलाता है कि जीवन केवल संघर्ष नहीं है, बल्कि संघर्ष के बाद आने वाली राहत और उम्मीद भी उतनी ही सच्ची है। यही कारण है कि लोकसमाज ने इसे केवल एक दिन का उत्सव नहीं, बल्कि सामूहिक भावबोध का पर्व बनाया।

लोहड़ी का मूल कृषि-जीवन से गहराई से जुड़ा हुआ है। उत्तर भारत का किसान रबी की फसलों की बुवाई के बाद जब खेतों में हरियाली देखता है, तब उसके भीतर आशा का संचार होता है। गेहूँ, सरसों और चने की लहलहाती फसलें आने वाले समय की समृद्धि का संकेत देती हैं। लोहड़ी उसी आशा का उत्सव है। यह पर्व किसान की मेहनत, धैर्य और प्रकृति पर उसके विश्वास को सम्मान देता है।

आग के चारों ओर एकत्र होकर तिल, गुड़, मूंगफली और रेवड़ी अर्पित करना केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का सामूहिक भाव है। आग यहाँ शुद्धि का प्रतीक है–बीते दिनों की ठंड, कष्ट, निराशा और असफलताओं को भस्म कर आगे बढ़ने का संकल्प। लोकजीवन में आग केवल ताप नहीं देती, वह एकजुटता भी देती है। ठंडी रात में आग के चारों ओर खड़े लोग केवल शरीर नहीं, मन भी गरम करते हैं।

लोहड़ी की परंपरा में लोककथाओं और लोकगीतों की विशेष भूमिका है। दुल्ला भट्टी की कथा लोहड़ी को केवल मौसमी पर्व नहीं रहने देती, बल्कि सामाजिक चेतना का प्रतीक बना देती है। दुल्ला भट्टी का चरित्र अन्याय के विरुद्ध खड़े होने, कमजोर की रक्षा करने और स्त्री-सम्मान के मूल्य को रेखांकित करता है। यह लोकगाथा बताती है कि लोकसंस्कृति केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि नैतिक शिक्षा का भी माध्यम है।

गाँव-समाज में लोहड़ी का उत्सव सामूहिकता का पाठ पढ़ाता है। अमीर-गरीब, छोटे-बड़े, स्त्री-पुरुष–सब आग के चारों ओर समान रूप से खड़े होते हैं। यह बराबरी का वह क्षण है, जहाँ सामाजिक भेदभाव कुछ समय के लिए पिघल जाते हैं। लोकगीतों में सामूहिक स्वर होता है, नायक अकेला नहीं होता–पूरा समाज उसका सहभागी बनता है।

खामोश अन्याय और टूटता हुआ सामाजिक विवेक

न्याय केवल एक शब्द नहीं, बल्कि वह चुभन है, जो मनुष्य के आत्मसम्मान को भीतर तक घायल कर देती है। कई बार अन्याय इतनी खामोशी से होता है कि पीड़ित को भी देर से एहसास होता है कि उसके साथ गलत हुआ है। कई दफा यह इतना गहरा और स्पष्ट होता है कि व्यक्ति का मन क्रोध, दुख और घुटन से भर जाता है।

किसी भी समाज का स्वास्थ्य केवल अस्पतालों और सड़कें बनाने से नहीं मापा जाता, बल्कि इस बात से आंका जाता है कि वहां रहने वाले लोग कितनी बराबरी, सम्मान और सुरक्षा का अनुभव करते हैं। जब किसी व्यक्ति को उसके हक से वंचित किया जाता है, उसकी आवाज दबा दी जाती है, या उसे उसकी क्षमता के अनुसार मौके नहीं दिए जाते, तो यह न केवल उस व्यक्ति के लिए अन्याय है, बल्कि पूरे समाज के लिए चेतावनी है। क्योंकि, अन्याय कभी अकेला नहीं आता; वह असमानता, क्रोध, हिंसा और टूटे हुए विश्वास को जन्म देता है।

अन्याय का सबसे खतरनाक रूप वह है, जो सामान्य माना जाने लगता है। जैसे- लड़कियों को कुछ सपने देखने से रोका जाना, गरीब को हर मोड़ पर तिरस्कार झेलना, किसी कर्मचारी की मेहनत का श्रेय किसी और को मिल जाना, या किसी छात्र की प्रतिभा को जाति, भाषा या पृष्ठभूमि के आधार पर कम आंकना। ये बातें बाहर से मामूली दिखाई दे सकती हैं, लेकिन वास्तव में यही वे छोटी-छोटी ईंटें हैं, जिनसे बड़े और कठोर अन्याय की दीवार खड़ी होती है।

समाज को बदलने के लिए सबसे पहले इस तरह के ह्यछोटे अन्यायह्ण को पहचानना जरूरी है, जो असल में उतने छोटे होते ही नहीं। समाज में आज भी यह अवधारणा मौजूद है कि बेटे की पढ़ाई पर पैसा खर्च करना 'निवेश' माना जाता है, जबकि बेटी की पढ़ाई पर वही राशि खर्च करना अनावश्यक खर्च। कई बार घर में निर्णय लेने का अधिकार सिर्फ पुरुषों के पास होता है, जबकि महिलाएं योग्य होने के बावजूद केवल सुनने तक सीमित रहती हैं। यह सब इतने सामान्य तरीके से होता है कि लोग इसे अन्याय मानना ही छोड़ देते हैं।

कार्यस्थलों पर भी स्थिति अलग नहीं है। कई दफा ऐसे कर्मचारी होते हैं, जो पूरी टीम का काम संभालते हैं, समय पर सब कुछ पूरा करते हैं, फिर भी उन्हें पदोन्नति नहीं मिलती। किसी नए कर्मचारी की छोटी गलती पर जोर दिया जाता है, लेकिन पुराने और प्रभावशाली कर्मचारियों की बड़ी गलतियों को नजरअंदाज कर दिया जाता है। नौकरी के मामले में कई लोगों को साक्षात्कार में सिर्फ इसलिए नकार दिया जाता है, क्योंकि उसके पास कोई सिफारिश नहीं होती।

दूसरी ओर, कम योग्यता या कम प्रतिभा होने के बावजूद अधिक प्रभावशाली व्यक्ति को आसानी से नौकरी मिल जाती है। ये उदाहरण दर्शाते हैं कि कौशल और मेहनत के बावजूद भी अवसर हमेशा बराबर नहीं होते। समाज में भी हम कई तरह के अन्याय रोज देखते हैं। अस्पतालों में आम मरीज घंटों कतार में खड़े रहते हैं, जबकि सिफारिश वाले लोगों को तुरंत उपचार मिल जाता है। पुलिस थाने में शिकायत लेकर जाने वाला आम आदमी कई बार चक्कर लगाता है, जबकि प्रभावशाली लोगों की बात तुरंत सुनी जाती है। सड़क पर अगर किसी गरीब रिक्शेवाले से गलती हो जाए, तो लोग उसे डांटकर भगा देते हैं, लेकिन किसी महंगी कार वाले से कोई कुछ नहीं कहता।

अन्याय का एक सबसे गहरा रूप रिश्तों में दिखता है। कई बार एक साथी रिश्ते में कदम-कदम पर समझौता करता रहता है और दूसरा हमेशा सही माना जाता है। एक दोस्त हमेशा रिश्ते को निभाने के लिए तत्पर रहता है, जबकि दूसरा सिर्फ काम पड़ने पर ही याद करता है। महिलाओं के साथ होने वाला अन्याय तो समाज में इतना गहरा है कि उसे 'सामान्य' मान लिया जाता है। लड़की का जन्म होने पर कुछ चेहरे उतर जाते हैं। कार्यस्थल पर महिलाओं को अक्सर कमजोर माना जाता है।

समाज में तभी बदलाव आ सकता है, जब लोग इन छोटे-छोटे अन्याय को पहचानना शुरू करें, उनका विरोध करें, और बराबरी की सोच को सामान्य बनाएं। अन्याय तब कम होगा, जब हम सिर्फ कानूनी नहीं, बल्कि मानवीय दृष्टि से भी न्याय को महत्त्व देंगे। जब हम उन लोगों के लिए आवाज उठाएंगे, जो बोल नहीं पाते, जब किसी दुर्बल को उसका हक दिलाने में मदद करेंगे और किसी गलत के सामने चुप रहने के बजाय सही के साथ खड़े होंगे।

यह बात भी उतनी ही सच है कि कोई भी समाज उस दिन कमजोर हो जाता है, जब उसके ईमानदार लोग चुप रहने लगते हैं। चुप्पी कभी-कभी शांति लग सकती है, पर यह भीतर ही भीतर अन्याय को शक्ति देती है। अन्याय को मिटाने के लिए केवल कानून काफी नहीं; उसके लिए संवेदना, साहस और समझ भी जरूरी है। कानून व्यवस्था समाज की रीढ़ है, पर यदि इंसान के भीतर न्याय के प्रति सम्मान नहीं है, तो अन्याय समाप्त नहीं होगा। न्याय केवल अदालतों में ही नहीं मिलता; जब हम अपने व्यवहार में ईमानदारी रखते हैं, किसी कमजोर के पक्ष में खड़े होते हैं, किसी को व्यक्ति को उसके व्यक्तित्व और गुणों के आधार पर तवज्जो देते हैं, तो वह भी न्याय कहलाता है।

कई लोग सोचते हैं कि दूसरों के लिए आवाज उठाना समय की बर्बादी है। लेकिन सच यह है कि अगर आज हम किसी और के लिए खड़े नहीं होंगे, तो कल हमारे लिए भी कोई खड़ा नहीं होगा। समाज आपस में जुड़े धागों की तरह है- कहीं एक धागा कमजोर पड़ा तो पूरी बुनावट टूटने लगती है। इसी तरह, न्याय के धागे को मजबूत रखने के लिए हम सब की भागीदारी जरूरी है। न्याय तभी संभव है, जब हर व्यक्ति यह समझे कि उसका एक कदम, एक शब्द या एक निर्णय किसी और के जीवन को बदल सकता है। क्योंकि, जब समाज न्यायपूर्ण होता है, तभी वह वास्तव में मजबूत और श्रेष्ठ होता है।

तहसील स्तर पर ही फरियादियों के शिकायतों का निस्तारण कराये सुनिश्चित-जिलाधिकारी

शासन के मंशानुरूप जनपद के सभी तहसीलों में आयोजित हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस

राजस्व व जमीन प्रकरण शिकायत के निस्तारण हेतु राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर स्थलीय मुआयना कर तैयार करें स्पॉट नोट-पुलिस अधीक्षक

भदोही ।जन शिकायतो के त्वरित निस्तारण एवं कार्यवाही के दृष्टिगत ''सम्पूर्ण समाधान दिवस'' जनपद के सभी तहसीलों में आयोजित किया गया। तहसील ज्ञानपुर में जिलाधिकारी शैलेष कुमार, पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक, मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविन्द शुक्ल, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 संतोष कुमार चक, उप जिलाधिकारी भान सिंह, तहसील भदोही में अपर जिलाधिकारी न्यायिक विजय नारायण सिंह, उप जिलाधिकारी अरूण गिरि, पुलिस क्षेत्राधिकारी भदोही, तहसील औराई में अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 कुंवर वीरेन्द्र मौर्य, उप जिलाधिकारी श्याममणि त्रिपाठी एवं अन्य अधिकारियो द्वारा सम्पूर्ण समाधान दिवस में उपस्थित होकर फ़रियादियों की समस्याओ को गंभीरता से सुनकर निस्तारण किया गया।

जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने सभी जनपद स्तरीय अधिकारियों को कड़ा निर्देश देते हुए कहा कि शिकायतों को निस्तारण करने हेतु शिकायतकर्ता से बात करें, मौके पर जाये, स्पष्ट रूप से आख्या लिखे, कागजी खानापूर्ति न करें। शिकायतों को पारदर्शी ढंग से गुणवत्तानुरूण निस्तारण कराये। अन्यथा सख्त कार्यवाही की जायेगी। तहसील ज्ञानपुर सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी द्वारा सुनवाई के दौरान दूर-दराज से आये फरियादियों के कुल 20 प्रार्थना पत्रों में से 05 मामलों में त्वरित निस्तारण किये गये, शेष प्रकरण में राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीम बनाते हुए समय-सीमा में समाधान करने का निर्देश दिया।

सभी तहसीलों में जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में सुशासन आधारित लगायें गये विभिन्न कैम्पो-बाल विकास पुष्टाहार विभाग, आयुष्मान गोल्डेन कार्ड, परिवार नियोजन, समाज कल्याण विभाग द्वारा वृद्धावस्था पेंशन, महिला कल्याण विभाग द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं के उन्नयन हेतु विविध योजना मिशन शक्ति, राजस्व विभाग हेल्प डेस्क, जागरूकता हेतु लगाये गये।

जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने तहसील ज्ञानपुर के संपूर्ण समाधान दिवस में फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता से सुनकर त्वरित निस्तारण करते हुए सुशासन को स्थापित किया, साथ ही आईजीआरएस में प्राप्त लोक शिकायतों का निस्तारण, ऑनलाईन ''सर्विस डिलीवरी'' की सेवाओं में वृद्धि किया गया। जिलाधिकारी ने फरियादियों की शिकायतों को गम्भीरता से सुनते हुए गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध समाधान करने का निर्देश दिया। कानूनगो व लेखपाल को निर्देशित किया कि जमीन सम्बन्धी मामले में पुलिस टीम के साथ समन्वय व सहयोग बनाते हुए निस्तारण सुनिश्चित कराये। उन्होंने उपस्थित सभी अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि कुछ ऐसे मामले होते है जो दो या तीन विभागों के मध्य संयुक्त रहता है। सम्पूर्ण समाधान दिवस एक ऐसा सुअवसर होता है जहा पर एक ही दिन, एक ही निश्चित समय पर सभी जनपदीय अधिकारी उपस्थित होते है। अर्न्तविभागीय समन्वय स्थापित करते हुयें ऐसे सभी मामलों का निस्तारण सुनिश्चित किया जाय। उन्होने अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि प्रदेश सरकार की मंशानुरूप जनता जनार्दन को अपने तहसील स्तर पर ही उनकी शिकायतों का निस्तारण करना सुनिश्चित किया जाएं। उन्होंने कहा कि संपूर्ण समाधान दिवस द्वारा शासन त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए प्रतिबद्ध है। तहसील दिवस में आए जनता की समस्याओं का पुलिस व राजस्व अधिकारी संयुक्त रूप से स्थलीय निरीक्षण करते हुए न्यायोचित निस्तारण कराना सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी ने कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस पर प्राप्त प्रार्थना पत्रो को अधिकारी गुणवत्तापूर्ण ढंग से तीन दिन के अन्दर निस्तारण कराना सुनिश्चित कराये। उन्होंने जनपद में शत-प्रतिशत सुनिश्चित कराने हेतु सभी को प्रोत्साहित किया। गुणवत्तापूर्ण निस्तारण न पाये जाने पर सम्बन्धित अधिकारी/कर्मचारी के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी। जिलाधिकारी ने उपस्थित सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन के मंशानुरूप सुशासन को निर्धारित समय सीमा में जनपदवासियों को अच्छादित किया जाय। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता की बातो को गम्भीरता से अवश्य सुने। उन्होंने कहा कि तहसील स्तर की शिकायतें तहसील स्तर पर ही निस्तारित हो जाये। यदि शिकायते ऊपर के स्तर पर प्राप्त हो रही है तो ये दर्शाता है कि तहसील स्तर पर लापरवाही हुई है। उन्होंने जनपदीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने ब्लाक या तहसील स्तरीय अधिकारी/कर्मचारीगण एसडीएम व सीओ की टीम के साथ समन्वय व सहयोग बनाते हुए निस्तारण सुनिश्चित कराये।

पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने कहा कि राजस्व व जमीन प्रकरण शिकायत के निस्तारण हेतु राजस्व पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर जाकर जॉच करते समय शिकायतकर्ता अथवा वहॉ पर उपस्थित व्यक्तियो के हस्ताक्षर अवश्य कराये तथा फोटोग्राफ्स भी सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी विभागाध्यक्ष अपने विभाग स्तर पर ही शिकायतकर्ताओं को संतुष्टि के साथ शिकायत निस्तारण सुनिश्चित करें। यदि प्राथमिक स्तर पर ही विकास खण्ड कार्यालय, उप जिलाधिकारी कार्यालय व विभागाध्यक्ष द्वारा गुणवत्ता व संतुष्टिपरक समय-सीमा में शिकायतों का निस्तारण कर लिया जाय तो फरियादियों को जिलाधिकारी, मण्डलायुक्त व सीएम पोर्टल पर शिकायत करने की स्थिति ही नही आयेगी।

कॉलेजो में नक़ल विहीन कराई जा रही प्री-बोर्ड परीक्षा

भदोही। 17 जनवरी 2025 शनिवार को जिले के 193 माध्यमिक इंटर कॉलेज में शुक्रवार को प्री-बोर्ड परीक्षाएं शुरू हो गई। शनिवार को दूसरे दिन सभी कॉलेज में हाईस्कूल में अंग्रेजी एवं इंटरमीडिएट में अंग्रेजी की परीक्षा हुई। 27 जनवरी तक चलने वाली इस परीक्षा जिसमें 419 बालक और 316 बालिका शामिल है। प्री बोर्ड परीक्षा नक़ल बिहीन कराई जा रही है और आगे की भी परीक्षाएं ऐसी ही कराई जाएगी। प्री बोर्ड परीक्षा ने परीक्षार्थियों को एक नया अनुभव मिल रहा है और परीक्षा को लेकर मन से डर भी समाप्त हो रहा

को नक़ल विहीन और सकुशल संपन्न कराने के निर्देश दिए गए हैं और इसका पालन भी कॉलेज के तरफ से किया जा रहा है।

शनिवार को गोपीगंज पुरे गुलाम में स्थित भारत भारती इंटर मीडिएट कॉलेज में हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। कॉलेज के प्रधानाचार्य शेषधर पाण्डेय ने बताया कि हाईस्कूल में कुल 765 परीक्षार्थी जिसमें 454 बालक और 311 बालिका और इंटरमीडिएट में कुल 735 परीक्षार्थी है। भारत भारती इंटरमीडिएट कॉलेज में शनिवार को सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजकर 15 मिनट तक अंग्रेजी की प्री-बोर्ड परीक्षा हुई।

मालूम हो कि परीक्षार्थियों को बोर्ड परीक्षा में कोई दिक्कत न हो इसलिए स्कूलों में प्री-बोर्ड परीक्षा कराई जा रही है। इससे छात्र-छात्राएं वास्तविक बोर्ड परीक्षा के स्तर का अनुभव प्राप्त कर सकेंगे। जिले में हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के 54 हजार 371 परीक्षार्थी प्री-बोर्ड परीक्षा में शामिल हो रहे है।

विशेष गहन पुनरीक्षण के अंतर्गत त्रिलोकपुर में मतदाता चौपाल का आयोजन

भदोही। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण (Special Intensive Review – SIR) कार्यक्रम के अंतर्गत दिनांक 17 जनवरी 2026 को जनपद भदोही के विकास खंड औराई स्थित ग्राम त्रिलोकपुर में मतदाता सूची के पुनरीक्षण हेतु चौपाल का आयोजन किया गया।

इस चौपाल में माननीय विधायक औराई दीनानाथ भास्कर, मुख्य विकास अधिकारी, भदोही, संबंधित अधिकारीगण एवं बूथ लेवल ऑफिसर्स की उपस्थिति में ग्रामीणों के साथ प्रत्यक्ष संवाद किया गया। कार्यक्रम के दौरान मतदाता सूची को पढ़कर सुनाया गया, जिससे मतदाताओं द्वारा नाम, पता एवं अन्य विवरणों का मौके पर ही सत्यापन किया जा सके। चौपाल में उपस्थित अधिकारियों द्वारा प्रत्येक मतदान केंद्र पर मतदाता हेल्प डेस्क स्थापित किए जाने के निर्देश दिए गए। साथ ही मतदाताओं की सुविधा हेतु फॉर्म-6 (नया नाम जोड़ने), फॉर्म-7 (नाम हटाने) तथा फॉर्म-8 (मतदाता विवरण में सुधार) भरने के लिए सहायक उपलब्ध कराए जाने की व्यवस्था सुनिश्चित करने पर बल दिया गया। कार्यक्रम के दौरान आर्मी शिक्षा से संबंधित कुल 142 आवेदन प्राप्त है।

ओबीटी प्राइवेट लिमिटेड के सीएसआर कार्यक्रम में डीएम ने किया वृक्षारोपण, जरूरतमंदों को कंबल वितरण

दिव्यांगों, वंचितों एवं विधवाओं को कंबल वितरित कर डीएम ने दिया आत्मीय संबल

भदोही।ओबीटी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (एँ) के अंतर्गत जनपद के दिव्यांगजनों, वंचित वर्ग एवं विधवाओं के लिए एक सराहनीय सामाजिक कार्यक्रम का आयोजन जूनियर हाई स्कूल, लालानगर में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिलाधिकारी शैलेष कुमार, पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए जरूरतमंदों को 250 कंबल वितरित किए। इस अवसर पर जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने ओबीटी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किए जा रहे सामाजिक एवं मानवीय कार्यों की मुक्तकंठ से प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि 'नर सेवा ही नारायण सेवा है। समाज के कमजोर वर्गों के प्रति संवेदनशीलता और सहयोग की भावना ही एक सशक्त समाज का निर्माण करती है। ऐसे कार्यक्रमों में सभी को बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए।' कंबल वितरण करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि शीतलहरी और कड़ाके की ठंड में गरीब, असहाय और वंचित लोगों को राहत पहुंचाना अत्यंत आवश्यक है। इस प्रकार के प्रयास न केवल उन्हें भौतिक सहायता प्रदान करते हैं, बल्कि मानसिक व सामाजिक संबल भी देते हैं। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी ने विद्यालय में उपस्थित छात्र-छात्राओं से आत्मीय संवाद किया। उन्होंने बच्चों को कॉपी, किताब, पेंसिल, रबर एवं मिठाई वितरित कर उनके शैक्षिक विकास के प्रति प्रोत्साहित किया। बच्चों की पढ़ाई-लिखाई एवं भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी लेते हुए उन्हें लगन, अनुशासन और निरंतर परिश्रम से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर ओबीटी प्राइवेट लिमिटेड के प्रेसिडेंट श्री आई. बी. सिंह, श्री जसवंत कुमार, विनोद पांडेय सहित कंपनी के अन्य पदाधिकारी, विद्यालय स्टाफ एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

खोजी पत्रकारिता, जो पत्रकारिता का आधार स्तंभ रही है, आज कमजोर पड़ती दिख रही हैः प्रो. केजी सुरेश

वाराणसी। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा आयोजित 'सोशल मीडिया के युग में पत्रकारिता और जनसंचार में बदलते रुझान' विषयक तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन शनिवार को 'जनसंचार बनाम सोशल मीडिया' विषय पर एक विचारोत्तेजक पैनल चर्चा का आयोजन किया गया। इस सत्र के मुख्य वक्ता इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली के निदेशक प्रो. के. जी. सुरेश ने स्वयं को सोशल मीडिया का समर्थक बताते हुए कहा कि सोशल मीडिया ने जनसंचार को नई दिशा दी है और मीडिया के लोकतंत्रीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया के कारण ऐसे कई मुद्दे सामने आए हैं जो अब तक मुख्यधारा मीडिया की दृष्टि से ओझल थे। इससे पत्रकारिता में नए आयाम स्थापित हुए हैं।

हालांकि, प्रो. सुरेश ने सोशल मीडिया से जुड़ी चुनौतियों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि रील्स संस्कृति के कारण कंटेंट में सतहीपन बढ़ा है। एक मिनट में सब कुछ देखने की लालसा ने गुणवत्ता से समझौता कराया है। आज कंटेंट क्रिएशन का उद्देश्य केवल यूज़र को कुछ सेकंड के लिए स्क्रीन पर रोकना बन गया है। उन्होंने चिंता जताई कि आज का युवा वर्ग गंभीर समाचार पत्रों से कटकर रील्स संस्कृति में उलझ गया है, जिससे ट्रिवियलाइजेशन बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि आज पॉडकास्ट और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर कंटेंट की गुणवत्ता से अधिक व्यूज़ और मोनेटाइजेशन पर ध्यान दिया जा रहा है, जिससे पत्रकारिता व्यक्ति-केंद्रित होती जा रही है। विषयों के बजाय व्यक्तियों को महत्व देना लोकतंत्र के लिए खतरनाक संकेत है। पत्रकारिता को बचाने के लिए व्यक्तित्व-प्रधान दृष्टिकोण से हटकर मुद्दा-प्रधान पत्रकारिता को पुनः स्थापित करना आवश्यक है।

प्रो. सुरेश ने यह भी कहा कि क्षेत्रीय भाषाओं में आज भी उत्कृष्ट शोधपरक लेखन हो रहा है, लेकिन पाठकों की संख्या घटती जा रही है। खोजी पत्रकारिता, जो पत्रकारिता का आधार स्तंभ रही है, आज कमजोर पड़ती दिख रही है। डिजिटल मीडिया से यह अपेक्षा थी कि वह हाशिए पर खड़े लोगों की आवाज बनेगा, लेकिन टीआरपी और व्यूज़ आधारित प्रवृत्तियों के कारण कई महत्वपूर्ण मुद्दे पीछे छूट रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया के नकारात्मक पहलुओं पर गंभीर विमर्श की आवश्यकता बताते हुए कहा कि पत्रकारिता को सोशल मीडिया से जोड़ते समय निष्पक्षता और फाइव डब्ल्यू एंड वन एच के सिद्धांतों पर विशेष जोर देना होगा।

सत्र के विशिष्ट वक्ता देश के प्रख्यात वरिष्ठ शिक्षाविद पूर्व कुलपति प्रो. के. वी. नागराज ने अपने वक्तव्य में कहा कि सोशल मीडिया आज मोबोक्रेसी का रूप लेता जा रहा है। उन्होंने कहा कि बड़े कारोबारी और कॉरपोरेट घराने विज्ञापनों के माध्यम से मीडिया को नियंत्रित कर रहे हैं। यूट्यूब पत्रकारिता पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि इसमें जिम्मेदारी और जवाबदेही का अभाव है।

प्रो. नागराज ने कहा कि विकास के नाम पर समाज को पुनर्परिभाषित किया जा रहा है। तकनीक आज एक राक्षस बनती जा रही है, जिसे नियंत्रित करने के बजाय हम उसे स्वयं पर शासन करने दे रहे हैं। उन्होंने महात्मा गांधी का उल्लेख करते हुए कहा- 'समाज से जो श्रेष्ठ है, उसे निकालिए; विचारधारा अत्यंत आवश्यक है।' उनके अनुसार, बिना विचारधारा के संचार का कोई अर्थ नहीं है।

उन्होंने यह भी कहा कि सोशल मीडिया हमें एक प्रकार के कोकून में बंद कर रहा है, जहां सक्रिय सामाजिक हस्तक्षेप कम होता जा रहा है। शक्ति और असमानता के संबंध पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि जहां शक्ति है, वहां समानता नहीं हो सकती। उन्होंने माना कि मीडिया में सकारात्मक और नकारात्मक- दोनों पहलू मौजूद हैं, लेकिन सामाजिक उत्तरदायित्व और जवाबदेही के बिना पत्रकारिता अपने उद्देश्य से भटक जाती है।

पैनल चर्चा के दौरान वक्ताओं ने इस बात पर सहमति जताई कि प्रिंट मीडिया आज भी अत्यंत शक्तिशाली माध्यम है और समाज को दिशा देने में इसकी भूमिका सर्वोपरि बनी हुई है। संगोष्ठी से सार्थक निष्कर्ष निकलने की आशा व्यक्त करते हुए वक्ताओं ने पत्रकारिता के मूल्यों की पुनर्स्थापना पर बल दिया।

विशेष गहन पुनरीक्षण के अंतर्गत 18 जनवरी को स्पेशल बूथ डे का आयोजन

भदोही। जिलाधिकारी महोदय के निर्देशानुसारविशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत दिनांक 18.01.2026 को स्पेशल बूथ डे का आयोजन जनपद भदोही के समस्त मतदान केंद्रों पर किया जाएगा। इस अवसर पर प्रत्येक मतदान केंद्र पर मतदाता हेल्प डेस्क की स्थापना की गई है।

मतदाताओं की सुविधा हेतु सभी बूथों पर फॉर्म 6 (नया नाम जोड़ने), फॉर्म 7 (नाम हटाने) तथा फॉर्म 8 (मतदाता विवरण में सुधार) भरने के लिए प्रशिक्षित सहायक उपलब्ध रहेंगे, जो आवेदनों के निस्तारण में सहयोग करेंगे।

जनपद के समस्त मतदाताओं से अनुरोध है कि जिनका नाम मतदाता सूची में जुड़वाना है, हटवाना है अथवा जिनके विवरण में किसी प्रकार का संशोधन अपेक्षित है, वे अपने संबंधित बूथ पर उपस्थित होकर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें, जिससे मतदाता सूची शुद्ध, अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाई जा सके।

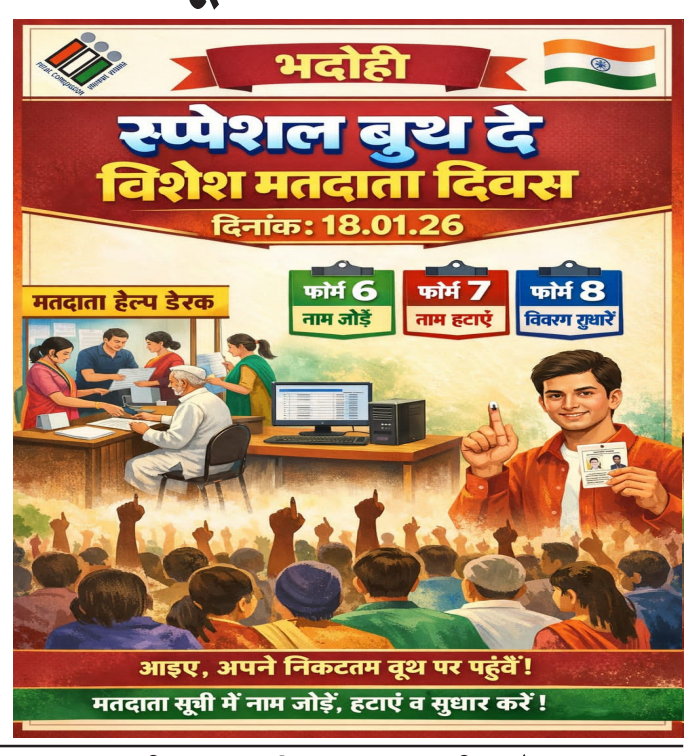

हरियाणा के मंत्री अनिल विज ने मीडिया की आवाज दबाने के लिए पंजाब की आप सरकार की आलोचना की

हरियाणा के ऊर्जा एवं परिवहन मंत्री अनिल विज ने शुक्रवार को पंजाब की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर मीडिया की 'आवाज दबाने' का आरोप लगाया। यह आरोप उन्होंने पंजाब केसरी समाचार पत्र समूह द्वारा प्रवर्तन एजेंसियों की ओर से उसके यहां लगातार छापे मारे जाने के दावों के बाद लगाया।

भाजपा के वरिष्ठ नेता ने आरोप लगाया कि भगवंत मान सरकार बिना किसी आधार के पंजाब केसरी समूह और

उससे जुड़े संस्थानों पर हमला कर रही है। विज ने कहा कि राज्य सरकार की कार्रवाई से संकेत मिलता है कि पंजाब में आपातकाल लगा दिया गया है।

अखबार समूह ने बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री मान को पत्र लिखकर आरोप लगाया था कि उनके दफ्तर में छापे मारकर उन्हें डराया-धमकाया जा रहा है। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता भूपिंदर सिंह हुड्डा ने मीडिया समूह को डराने-धमकाने के प्रयासों को बेहद चिंताजनक बताया।

बदायूं में दो सांडों के सामने आने से मालगाड़ी का डिब्बा पटरी से उतरा

बदायूं । बदायूं के उझानी कोतवाली क्षेत्र में बितरोई रेलवे स्टेशन के पास शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात बदायूं से कासगंज जा रही एक मालगाड़ी के सामने अचानक दो सांडों के आ जाने के कारण उसका एक डिब्बा पटरी से उतर गया। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

इस घटना के कारण बरेली-बदायूं - कासगंज रेल मार्ग पर कई ट्रेन का संचालन बुरी तरह प्रभावित हुआ। उन्होंने बताया कि भीषण कोहरा और

जीरो दृश्यता के चलते राहत व मरम्मत कार्य में भी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

रेलवे की राहत व मरम्मत टीम के प्रयास से शनिवार सुबह तक इस मार्ग पर ट्रेन सेवा बहाल कर दी गई। इस दुर्घटना में कोई भी व्यक्ति हताहत नहीं हुआ है। हालांकि, दोनों सांडों की मालगाड़ी की चपेट में आकर मौत हो गई।

बदायूं के वरिष्ठ स्टेशन मास्टर (एसएसएम) अफसर हुसैन ने बताया कि शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात को बितरोई रेलवे स्टेशन के बदायूं से कासगंज जा रही एक मालगाड़ी के सामने अचानक से दो सांड आ गए और मालगाड़ी से टकराने से उनकी मौत हो गई।

उन्होंने बताया कि सांडों के अवशेष फंसने से इंजन के बाद वाला डिब्बा पटरी से उतर गया, जिससे रेल मार्ग बाधित हो गया और कई घंटे यातायात प्रभावित रहा। उन्होंने बताया कि शून्य दृश्यता के कारण मरम्मत कार्य में कुछ दिक्कत आई किंतु कासगंज और बरेली से आई राहत व मरम्मत टीम ने कुछ घंटे में ही पटरी की मरम्मत करके मालगाड़ी को गंतव्य के लिए रवाना कर दिया। इसके बाद रेल यातायात पूरी तरह से सामान्य हो गया।

भिवंडी मनपा चुनाव परिणाम आने के बाद कई जगहों पर तोड़फोड़ व पथराव,क्षेत्र में दहशत

कई नगरसेवक सहित 35 नामजद व 200 अज्ञात आरोपियों पर केस दर्ज कर कार्रवाई में जुटी

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी मनपा चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद कई जगहों पर पथराव और तोड़फोड़ की घटनाएं घटी है।जिसे लेकर लोगों में दहशत का माहौल व्याप्त है। भिवंडी शहर पुलिस चार अलग-अलग शिकायतों में दो दर्जन से ज्यादा नामजद व 200 से ज्यादा अज्ञात लोगों पर एफआईआर दर्ज कर उनकी पहचान व आगे की कार्रवाई में जुट गई है। इन घटनाओं को लेकर शहर में तरह तरह की चर्चाओं का बाजार गर्म है।

पुलिस के अनुसार भिवंडी के नवीबस्ती इलाके में रहने वाली ताहा आसमोहम्मद खान (25) ने पुलिस स्टेशन में दर्ज शिकायत में बताया है कि 16 जनवरी 2026 को शाम करीब 4 बजे लकड़ा मार्केट, कल्याण रोड स्थित एस.एस.के. फैब्रिकेशन की दुकान के पास कुछ आरोपी एकत्र हुए और लाठी-डंडों और अन्य हथियारों से हमला किया।आरोप है कि इस दौरान दुकान में पथराव कर तोड़फोड़ की गई तथा जान से मारने की धमकी भी दी गई। इस घटना में कई लोगों को चोटें आईं। पुलिस ने इस मामले में निहाल खान, इमरान खान, एहसान खान, गुलाम गौस खान, इसरार खान समेत कुल 16 आरोपियों को नामजद किया है।

इसी तरह दूसरी घटना में इमरान अब्दुल रहमान खान (40) ने आरोप लगाया है कि 16 जनवरी 2026 को दोपहर 4 से 4:30 बजे के बीच लकड़ा मार्केट क्षेत्र में चुनावी चर्चा के दौरान विवाद उत्पन्न हुआ, जो देखते ही देखते हिंसा में बदल गया।आरोप है कि आरोपी मोटरसाइकिलों पर मौके पर पहुंचे और गाली-गलौज व पथराव किया और कार्यालय में घुसकर कुर्सियों व अन्य सामान की तोड़फोड़ की। इस हमले में कई कार्यकर्ताओं को चोटें आईं है। इस प्रकरण में दिन मोहम्मद साम मोहम्मद खान, ताहा आसमोहम्मद खान सहित अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।फिलहाल किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।पुलिस ने दोनों मामलों में एक दूसरे पर क्रॉस शिकायत दर्ज इलाके में लगे कर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आगे की कार्रवाई में जुट गई है। इसी तरह न्यू कनेरी के मार्कण्डेय नगर में रहने वाले श्रीनिवास नरसैया वैगंल (37)ने पुलिस स्टेशन में दर्ज शिकायत में बताया है कि 15 जनवरी 2026 को शाम करीब 7:20 बजे प्रभाग क्रमांक 3 के गेट के सामने मतदान समाप्त होने के बाद कई लोगों ने उनकी पत्नी द्वारा राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित) से चुनाव लड़ने को लेकर नाराजगी जताते हुए गाली-गलौज की।साथ ही दो लोगों ने उनकी पत्नी का हाथ मरोड़कर तथा हाथ-पैर से मारपीट की।जबकि मनोज ठाकूर और रतन सिंह ने जान से मारने की धमकी दी। जिसकी शिकायत उन्होंने भिवंडी शहर पुलिस स्टेशन में दर्ज कराया है।इसके साथ ही श्रीरंग नगर निवासी राजेश राजीली चेरीयाल ने दर्ज शिकायत में बताया है कि 15 जनवरी 2026 को उसी समय,उसी स्थान पर आरोपियों ने चुनावी समर्थन को लेकर विवाद करते हुए गाली-गलौज की और हाथ की चापटों व लात-घूंसों से मारपीट की। इस मामले में मनोज ठाकूर, श्रीकांत दासी, राजेश शेट्टी सहित अन्य अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ केस दर्ज किया है।मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने क्षेत्र में बंदोबस्त बढ़ा दिया है।

राजिम कल्प कुंभ में अवतरित होगी दिव्य चेतना

त्रिकालदर्शी श्री पंडोखर सरकार का दिव्य दरबार 9 से 11 फरवरी 2026 तक

रायपुर। छत्तीसगढ़ की पुण्यधरा पर स्थित त्रिवेणी संगम क्षेत्र में आयोजित राजिम कल्प कुंभ सनातन संस्कृति, साधना और संत परंपरा का एक दिव्य तीर्थ है। भगवान श्री राजीव लोचन की अनुकंपा से इस पावन भूमि पर प्रत्येक वर्ष संतों के सान्निध्य में अध्यात्म की अविरल धारा प्रवाहित होती है। इसी क्रम में इस वर्ष 9 फरवरी 2026 से आरंभ हो रहे राजिम कल्प कुंभ में एक अलौकिक आध्यात्मिक क्षण साकार होने जा रहा है।

त्रिकालदर्शी गुरु शरण शर्मा जी 'श्री पंडोखर सरकार' का दिव्य दरबार 9 फरवरी से 11 फरवरी 2026 तक राजिम की पावन धरा पर सजने जा रहा है। यह दिव्य दरबार श्रद्धालुओं के जीवन में आस्था, विश्वास, समाधान और आध्यात्मिक जागरण का अनुपम अवसर प्रदान करेगा।

छत्तीसगढ़ के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने श्रद्धा भाव से श्री पंडोखर सरकार को राजिम कल्प कुंभ में पधारने का आमंत्रण प्रदान किया। छत्तीसगढ़ पंडोखर सरकार शिष्य मंडल के प्रतिनिधि राजीव अवस्थी एवं फिजी ग्वालरे ने गुरुजी से संवाद कर मुख्यमंत्री का आमंत्रण समर्पित किया, जिसे श्री पंडोखर सरकार ने अपनी करुणा और कृपा से स्वीकार कर लिया है।

श्री पंडोखर सरकार के आगमन की सूचना से संपूर्ण शिष्य मंडल एवं श्रद्धालुओं में अपार हर्ष और उत्साह व्याप्त है। शिष्य मंडल के समर्पित सेवक राजीव अवस्थी, फिजी ग्वालरे, टेकराम साहू, विकास दुबे, राकेश अग्रवाल, अजय सोनी सहित अनेक श्रद्धालु इस दिव्य अवसर की तैयारियों में सेवा भाव से जुटे हुए हैं।

गुरुकृपा से जब दिव्य दरबार सजेगा, तब राजिम की पुण्यभूमि पर भक्ति, विश्वास और चमत्कार की अनुभूति होगी। श्री पंडोखर सरकार द्वारा दिव्य दरबार की स्वीकृति प्रदान किए जाने के साथ ही यह आयोजन श्रद्धालुओं के लिए जीवन की दिशा बदलने वाला, कष्टों से मुक्ति दिलाने वाला और आध्यात्मिक चेतना को जागृत करने वाला सिद्ध होगा।

सुंदरगढ़ में हुई झड़प के बाद जनजीवन सामान्य, पुलिस ने छह आरोपीयों को किया गिरफ्तार

भुवनेश्वर। ओडिशा के सुंदरगढ़ शहर में दो दिन पहले हुई हिंसक झड़प के मामले में पुलिस ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई की है। इस घटना में शामिल छह लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सुंदरगढ़ के सब-डिविजनल पुलिस ऑफिसर (एसडीओपी) निर्मल महापात्रा ने बताया कि वीडियो फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर अन्य उपद्रवियों की पहचान की जा रही है। जल्द ही कुछ और गिरफ्तारियां संभव हैं।

क्या है मामला?

यह घटना गुरुवार को सुंदरगढ़ शहर के रीजेंट मार्केट में हुई थी। पुलिस के अनुसार, खाने-पीने की कुछ चीजों को लेकर दो गुटों के बीच मामूली कहासुनी हुई थी, जिसने देखते ही देखते हिंसक रूप ले लिया। इस झड़प में पत्थरबाजी और तोड़फोड़ के दौरान कम से कम 12 लोग घायल हो गए थे। जिनमें कुछ पुलिसकर्मी भी शामिल हैं।

शहर में स्थिति हुई सामान्य

स्थिति को बिगड़ता देख स्थानीय प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई करते हुए पूरे शहर में धारा 144 लागू कर दी थी। साथ ही अफवाहों को रोकने के लिए इंटरनेट सेवाओं बंद कर दी थीं। हालांकि शुक्रवार शाम तक स्थिति सामान्य होते ही सभी पाबंदियां हटा लीं गई, जिससे पश्चिमी ओडिशा के इस प्रमुख शहर में जनजीवन सामान्य पटरी पर लौट आया है।

मामले को लेकर एसडीपीओ ने बताया कि दुकानें और सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठान शनिवार सुबह से खुल गए हैं, साथ ही शिक्षण संस्थानों में भी कामकाज सुचारू रूप से शुरू हो गया है। हालांकि, एहतियात के तौर पर शहर में करीब 20 प्लाटून पुलिस बल तैनात है।

भिवंडी मनपा मेयर की चाभी राकांपा (शरद) के पास,चर्चाओं का बाजार गर्म

कांग्रेस या भाजपा जिसको देगी समर्थन उसी का बनेगा मनपा में महापौर,सस्पेंस कायम

6 सीट पर विजय हासिल करने वाली कोणार्क विकास आघाड़ी पहले भी बना चुकी है मेयर

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी मनपा में पहली बार 12 सीटों पर जीत दर्ज करने वाली राकांपा (शरद) के पास इस बार मेयर बनने की चाभी है।वह भाजपा,कांग्रेस जिसको भी समर्थन देगी ,उसी का मनपा में महापौर बनना तय है हालांकि इन सब के बीच कोणार्क विकास आघाड़ी को कम समझना गलत होगा क्योंकि इसने पहले उसने इतने ही नगरसेवक लेकर महापौर बना चुकी है। भिवंडी मनपा चुनाव में राकांपा (शरद) किंगमेकर बनकर उभरी है।पहली बार उसने बार 12 सीटों पर जीत हासिल की है जिसके बाद वह जिस पार्टी को अपना समर्थन देगी ,उसी का मेयर बनना तय है।इधर मनपा चुनाव में भाजपा शिवसेना महायुति ने 34 सीट हासिल की है।जबकि 30 सीटों पर अकेले जीत दर्ज कर कांग्रेस पार्टी यहां पर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। सूत्र बताते है कि कांग्रेस 30 नगरसेवकों के साथ राकांपा(शरद) के 12 नगरसेवको को मिलाकर 42 नगरसेवक होते है,ऐसे में यदि कोणार्क विकास आघाड़ी के 4 नगरसेवकों का उसे समर्थन मिलता है तो कांग्रेस का मेयर बनने के लिए जरूरी 46 नगरसेवकों वाले जादुई आंकड़े को छूकर अपना मेयर बना सकती है।जबकि भाजपा 22 व शिवसेना(शिंदे) ने 12 सीट के साथ इस गठबंधन ने 34 सीट पर जीत दर्ज हासिल की है।जबकि उसे महापौर बनने के लिए मात्र 12 नगरसेवकों की और जरूरत पड़ेगी।भाजपा की तरफ से पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल पाटिल के भतीजे सुमित पाटिल व साफ सुथरा छवि वाले नारायण चौधरी जैसे महापौर पद के प्रबल दावेदार है। माना जा रहा है कि इन दोनों का पार्टी के अलावा भी ज्यादातर नगरसेवक से खुद के अच्छे संबंध है।साथ ही भाजपा नगरसेवकों नारायण चौधरी का सपा विधायक रईस शेख और सांसद सुरेश म्हात्रे उर्फ बाल्या मामा से भी बेहतर संबंध है।जिन्हें यदि पार्टी मैदान में उतरती है और राकांपा (शरद) के 12 नगरसेवक भाजपा को सपोर्ट करते है तो भाजपा का भी मेयर बन सकता है।इतना ही 4 नगरसेवक वाली कोणार्क विकास आघाड़ी इससे पहले भी मात्र छह नगरसेवक लेकर महापौर बना चुकी है।पिछले चुनाव में कांग्रेस के पास 47 सीटों पर जीत दर्ज कर पूर्ण बहुमत होने के बावजूद कोणार्क विकास आघाड़ी ने कांग्रेस के 18 नगरसेवको ने पार्टी से बगावत कर कोणार्क को सपोर्ट कर महापौर बनाया था।उसी के तर्ज पर कोणार्क सपा के छह नगरसेवकों के साथ राकांपा व कांग्रेस को साथ लेकर अपना मेयर बना सकती है।अब देखना है कि राजनीतिक ऊंट किस करवट घूमता है और मनपा में किसका महापौर बनता है ?

महाराष्ट्र पॉलिटिक्स में नया मोड़, चाचा-भतीजे की एनसीपी में सुलह? जिला परिषद चुनाव में साथ उतरने का ऐलान

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री अजित पवार और उनके चाचा शरद पवार के राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के गुट आगामी जिला परिषद और पंचायत समिति चुनावों में एक साथ चुनाव लड़ेंगे, इसकी पुष्टि शनिवार को एनसीपी (एसपी) के एक नेता ने की। पुणे नगर निगम चुनाव में दोनों एनसीपी गुटों के गठबंधन में चुनाव लड़ने और शर्मनाक हार का सामना करने के बाद यह घोषणा की गई है। यह नगर निकाय पवार परिवार का पारंपरिक गढ़ माना जाता है, लेकिन भारतीय जनता पार्टी ने दोनों एनसीपी गुटों को चौंका दिया।

भगवा पार्टी ने 165 सीटों वाले नगर निकाय में 119 सीटों पर जीत दर्ज की। एनसीपी (आंध्र प्रदेश) को सिर्फ 27 सीटें मिलीं, जबकि एनसीपी एसपी को केवल तीन सीटें मिलीं। एनसीपी एसपी की महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख शशिकांत शिंदे ने पुष्टि की कि दोनों गुट जिला परिषद और पंचायत समिति

के लिए गठबंधन करेंगे। चुनाव 5 फरवरी को होने हैं। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों के बीच बातचीत हुई। हम 12 जिला परिषदों के चुनाव मिलकर लड़ेंगे। साथ ही, अगर सौहार्दपूर्ण चुनाव की जरूरत पड़ी तो हम इस पर विचार करेंगे।

उन्होंने कहा कि एनसीपी (एसपी) नगर निगम चुनावों में अपने प्रदर्शन की समीक्षा करेगी और उसी के अनुसार अपनी आगे की रणनीति तय करेगी। पुणे की बारामती तहसील में एक कृषि प्रदर्शनी में शिंदे की मुलाकात पार्टी प्रमुख शरद पवार से हुई। इसके बाद पवार के आवास पर दोनों गुटों के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक हुई। बैठक में अजीत पवार, सांसद सुप्रिया सुले, विधायक रोहित पवार, जयंत पाटिल और राज्य के कृषि मंत्री दत्तात्रेय भारणे उपस्थित थे।

इस बैठक से दोनों एनसीपी गुटों के संभावित पुनर्मिलन की अटकलें तेज हो गईं। हालांकि, शिंदे ने स्पष्ट किया कि बैठक में दोनों गुटों के पुनर्मिलन पर कोई चर्चा नहीं हुई। शिंदे ने कहा कि बातचीत आगामी जिला परिषद और पंचायत समिति चुनावों पर केंद्रित थी और दोनों गुटों ने मिलकर चुनाव लड़ने पर सहमति जताई। महाराष्ट्र में 12 जिला परिषदों और 125 पंचायत समितियों के चुनाव 5 फरवरी को होने हैं और मतगणना 7 फरवरी को होगी।

महाराष्ट्र के निकाय चुनाव में ओवैसी की बड़ी जीत, एआईएमआईएम ने 125 सीटें पर मारी बाजी; समझें सियासी गणित

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। महाराष्ट्र के नगर निकाय चुनावों में इस बार नतीजों ने सबका ध्यान खींचा है। एआईएमआईएम ने राज्य भर में 126 सीटें जीतकर अपनी राजनीतिक ताकत दिखाई है। खास तौर पर छत्रपति संभाजीनगर में पार्टी की जीत ने सियासी समीकरणों को नई दिशा दी है। इन नतीजों को केवल स्थानीय चुनाव तक सीमित नहीं माना जा रहा, बल्कि इसे आने वाले बड़े चुनावों का संकेत भी माना जा रहा है।

पार्टी प्रमुख ओवैसी की सक्रिय भूमिका को इस जीत की बड़ी वजह बताया जा रहा है। ओवैसी ने इस बार पहले की तुलना में ज्यादा समय चुनाव प्रचार को दिया। घर-घर जाकर संपर्क किया गया और छोटे इलाकों में स्थानीय मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया। पार्टी नेताओं के मुताबिक, पिछली बार मिली करीबी हारों ने कार्यकर्ताओं को और ज्यादा मेहनत करने के लिए प्रेरित किया, जिसका सीधा असर नतीजों में दिखा।

असदुद्दीन ओवैसी ने जनता को धन्यवाद कहा

एआईएमआईएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने महाराष्ट्र नगर निगम चुनाव में अपनी पार्टी की सफलता पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में हमारी पार्टी के 125 पार्षद सफल हुए हैं। ओवैसी ने जनता का धन्यवाद करते हुए कहा 'मैं महाराष्ट्र के लोगों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने सक्रिय रूप से भाग लिया और अपने मत का प्रयोग किया। मैं उन सभी मतदाताओं का भी धन्यवाद करता हूं, जिन्होंने एआईएमआईएम पार्टी के उम्मीदवारों को अपने वोट और आशीर्वाद से विजयी बनाया।'

उन्होंने यह भी कहा कि अब यह जरूरी है कि जो पार्षद जीतकर आए हैं, वे जनता की अपेक्षाओं पर खरे उतरें। ओवैसी ने सभी पार्षद से आग्रह किया कि वे अपने वार्ड के लोगों के बीच बने रहें और स्थानीय विकास कार्यों को प्राथमिकता दें।

किन शहरों में एआईएमआईएम को कितनी सीटें मिलीं?

एआईएमआईएम ने छत्रपति संभाजीनगर में 33 सीटें जीतीं। मालेगांव में पार्टी को 21 सीटें मिलीं। अमरावती में 12, नांदेड़ में 14, धुले में 10 और सोलापुर में आठ सीटों पर जीत दर्ज हुई। इसके अलावा मुंबई में आठ, नागपुर में छह, ठाणे में पांच, अकोला में तीन, अहिल्यानगर और जलना में 2-2 और चंद्रपुर में एक सीट एआईएमआईएम के खाते में गई। पार्टी नेताओं का कहना है कि पिछले नगर निकाय चुनावों में मिली 80 सीटों से उन्हें शहरी मतदाता की सोच समझने में मदद मिली, जिसका फायदा इस बार साफ दिखा।

बिशप फ्रैंको मुलक्कल केस में केरल सरकार ने नियुक्त किया विशेष लोक अभियोजक, जानिए पीड़ित नन ने क्या कहा

तिरुवनंतपुरम। जालंधर के पूर्व बिशप फ्रैंको मुलक्कल के खिलाफ बलात्कार मामले में बड़ा अपडेट सामने आया है। पीड़ित नन ने केरल हाईकोर्ट में कानूनी कार्यवाही के लिए विशेष लोक अभियोजक की नियुक्ति पर केरल सरकार और मुख्यमंत्री पिनराई विजयन का आभार जताया है।

नियुक्ति की जानकीर मीडिया रिपोर्ट्स से मिली शनिवार को कुराविलंगड में पीड़ित नन ने कहा कि उन्हें इस नियुक्ति की जानकारी मीडिया रिपोर्ट्स के जरिए मिली। उन्होंने कहा कि मैं सरकार, मुख्यमंत्री, मीडिया और मीडिया कर्मियों का धन्यवाद करती हूं। समाज के कई लोगों ने भी हस्ताक्षर अभियान के जरिए हमारे समर्थन में आवाज उठाई, इसके लिए मैं सभी की आभारी हूं।

किसे किया गया नियुक्त?

मुख्यमंत्री कार्यालय ने शुक्रवार को बताया था कि वरिष्ठ अधिवक्ता बी. जी. हरिंद्रनाथ को विशेष लोक अभियोजक नियुक्त किया गया है और इससे संबंधित अधिसूचना जल्द जारी की जाएगी। पीड़ित नन ने बताया कि उनकी ओर से हरिंद्रनाथ को विशेष लोक अभियोजक नियुक्त करने का अनुरोध किया गया था।

हरिंद्रनाथ ने कहा कि कई गलतियां हुईं। मुझे विश्वास है कि अपील में हमारे जीतने की अच्छी संभावना है। वरिष्ठ वकील ने आगे कहा कि पीड़ित को सह-अपराधी के रूप में देखना सही नहीं है, जैसा कि निचली अदालत में हुआ था। हरिंद्रनाथ ने एक टीवी चैनल को बताया कि अन्य लोगों के बयानों के आधार पर (अदालत द्वारा) पीड़ित की बात पर विश्वास नहीं किया गया। मुझे लगता है कि पीड़ित के साथ अन्याय हुआ है। पीड़िता ने मुख्यमंत्री से किया था अनुरोध उन्होंने यह भी कहा कि सरकार ने उन्हें और उनके समर्थन में खड़ी अन्य ननों को राशन कार्ड जारी किए, जिसके लिए वह राज्य सरकार की आभारी हैं। पीड़ित नन ने हाल ही में खुलासा किया था कि उन्होंने सरकार को औपचारिक अनुरोध सौंपा था और बाद में मुख्यमंत्री से मुलाकात कर विशेष लोक अभियोजक की नियुक्ति की मांग की थी।

इस मांग के सामने आने के बाद कानून मंत्री पी. राजीव ने कहा था कि केरल हाईकोर्ट में लंबित किसी मामले के लिए विशेष लोक अभियोजक नियुक्त करने से जुड़े प्रावधानों की जांच की जाएगी।

गौरतलब है कि फ्रैंको मुलक्कल को 2022 में ट्रायल कोर्ट ने इस मामले में बरी कर दिया था, जिसके बाद उन्होंने जालंधर के बिशप पद से इस्तीफा दे दिया था। पीड़ित नन ने ट्रायल कोर्ट के फैसले को केरल हाईकोर्ट में चुनौती दी है, जिस पर सुनवाई जारी है।

11 साल में 55 हजार करोड़ से काशी को मिली नई पहचान, देश की अर्थव्यवस्था में भी महत्वपूर्ण योगदान

वाराणसी / नई दिल्ली।सुबह की पहली ट्रेन जब वाराणसी जंक्शन पर रुकती है, तो प्लेटफॉर्म पर उतरते यात्रियों की आंखों में एक अलग-सी चमक होती है। कोई पहली बार आया है, कोई वर्षों बाद। लेकिन एक बात सब महसूस करते हैं- यह वही काशी है, फिर भी पहले जैसी नहीं।

करीब 11 साल पहले की बात याद करें, तब काशी की गलियां तंग थीं। दर्शन कठिन थे और श्रद्धालुओं की संख्या सीमित। एक दिन में 20-25 हजार लोग आ जाएं, तो शहर पर दबाव साफ दिखने लगता था। आज वही काशी रोज औसतन सवा लाख से डेढ़ लाख श्रद्धालुओं को संभाल रही है। सावन, शिवरात्रि या बड़े पर्वों पर यह संख्या छह से 10 लाख तक पहुंच जाती है। पिछले एक साल में ही 11 करोड़ से अधिक लोग बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए यहां आए।

इस बदलाव की नींव आंकड़ों में छुपी है, लेकिन इसकी असली कहानी लोगों की ज़िंदगी में दिखती है। बीते 11 वर्षों में काशी के लिए 55 हजार करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाएं स्वीकृत हुईं। इनमें से करीब 36 हजार करोड़ की परियोजनाएं जमीन पर उतर चुकी हैं। सड़कें चौड़ी हुईं। घाट संवरें। कनेक्टिविटी सुधरी और दर्शन की व्यवस्था बदली। जब काशी विश्वनाथ कॉरिडोर बना, तो कई लोगों को सिर्फ पत्थर और इमारतें दिखीं। लेकिन स्थानीय दुकानदार, नाविक और पुरोहितों के लिए इसका मतलब था- सम्मानजनक रोजगार और स्थिर आमदनी। आज फूल-प्रसाद बेचने वाले से लेकर होटल कर्मचारी तक, हजारों परिवारों की आजीविका सीधे-सीधे इस बदलाव से जुड़ी है।

काशी का देश की अर्थव्यवस्था में योगदान आंकड़े बताते हैं कि काशी ने हाल के वर्षों में देश की अर्थव्यवस्था में लगभग 1.3 लाख करोड़ रुपये का योगदान दिया है। यह सिर्फ पर्यटन का पैसा नहीं है, बल्कि उससे जुड़े रोजगार, सेवाएं और स्थानीय व्यापार की पूरी श्रृंखला है। एक नाविक बताते हैं कि पहले दिन भर की मेहनत के बाद भी आमदनी अनिश्चित रहती थी, आज घाटों की रौनक ने काम को स्थिर बना दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अक्सर काशी को अपनी आत्मा कहते हैं। शायद इसी जुड़ाव का असर है कि यहां विकास का मतलब सिर्फ नई इमारतें नहीं, बल्कि श्रद्धा, सुविधा और सम्मान का संतुलन है।

काशी ने अपनी आत्मा नहीं खोई

11 साल में काशी बदली है, यह बात नकारना मुश्किल है, लेकिन उससे भी बड़ी बात यह है कि इस बदलाव के बीच काशी ने अपनी आत्मा नहीं खोई। सुबह की आरती, शाम की गंगा आरती और गलियों की वही सुगंध आज भी मौजूद है। फर्क सिर्फ इतना है कि अब इस अविनाशी शहर ने दुनिया के सामने खुद को नए आत्मविश्वास के साथ पेश किया है।

मनोरंजन

ब्रेकअप की अफवाहों के बीच तारा सुतारिया पहली बार पब्लिक में दिखीं, पैप्स से दूरी बनाती दिखी एक्ट्रेस!

मुंबईः हफ्तों की अटकलों के बाद, ऐसा लग रहा है कि पहारिया-सुतारिया का रिश्ता मुश्किल दौर से गुज़र रहा है। वीर पहारिया के अकेले दिखने और रहस्यमयी पोस्ट के बाद, तारा सुतारिया आखिरकार पब्लिक में दिखीं। ब्रेकअप की खबरों के बाद यह उनकी पहली पब्लिक अपीयरेंस है।

तारा मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट हुईं

तारा शुक्रवार को सुबह एयरपोर्ट पर कैजुअल कपड़ों में अकेली चलती हुई

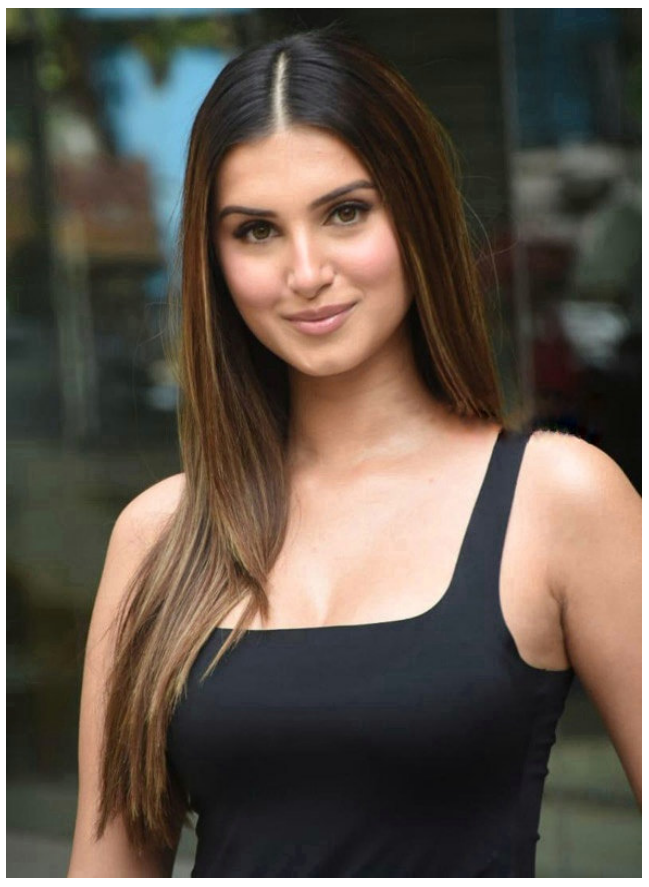

दिखीं। एक्ट्रेस, जो ब्रेकअप की खबरें फैलने के बाद से लो प्रोफाइल बनाए हुए हैं, विनम्र लेकिन दूर-दूर दिखीं। हालांकि तारा ने थोड़ी देर के लिए शटरबग्स को हाथ हिलाकर ग्रीट किया, लेकिन वह दूरी बनाए रखने की कोशिश करती दिखीं।

वीर की रहस्यमयी पोस्ट से अटकलें तेज़

बस दो दिन पहले, वीर ने एक रहस्यमयी इंस्टाग्राम पोस्ट से इंटरनेट पर हलचल मचा दी थी, जिसे फैंस तारा से उनके ब्रेकअप का इशारा मान रहे हैं। एक्टर ने एक नए शूट की तस्वीरें शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'वक्त बुरा हो या अच्छा, एक न एक दिन बदलता ज़रूर हैष्ठ' इस इमोशनल पोस्ट ने तुरंत ध्यान खींचा, और कई यूज़र्स ने इसे ब्रेकअप की हल्की पुष्टि माना।

अकेले दिखने से ब्रेकअप की अफवाहों को हवा मिली

इस हफ्ते की शुरुआत में मुंबई में नूपुर सैनन और स्टेबिन बेन के वेडिंग रिसेप्शन में वीर के अकेले आने के बाद रिश्ते में परेशानी की अफवाहें और तेज़ हो गईं। सलमान खान और कृति सैनन सहित कई सितारों के होने के बावजूद, वीर का अकेले आना किसी का ध्यान खींचे बिना नहीं रहा।

अटकलों को और बढ़ाते हुए, वीर को कुछ दिन पहले एक छोटी छुट्टी से लौटते हुए भी देखा गया था, और इस बार भी वह तारा के बिना थे। एक्टर को एक प्राइवेट एयरपोर्ट से जल्दी में निकलते हुए देखा गया, बाद में उनके साथ उनके भाई शिखर पहारिया और जान्हवी कपूर भी थे। तस्वीरों में तारा की गैरमौजूदगी ने तुरंत ऑनलाइन ध्यान खींचा।

अफवाहें कब शुरू हुईं?

तारा और वीर के बीच दरार की खबरें सबसे पहले इस महीने की शुरुआत में एक वायरल कॉन्सर्ट क्लिप के सुर्खियों में आने के बाद सामने आईं। तारा ने फुटेज की कड़ी आलोचना करते हुए इसे 'मनगढ़ंत पेड पीआर' की कोशिश बताया था। फिलहाल, न तो तारा और न ही वीर ने अब तक अपने कथित ब्रेकअप के बारे में कोई आधिकारिक बयान जारी किया है।

फिलहाल, फैंस करीब से नज़र रख रहे हैं, यह देखने के लिए कि बॉलीवुड के उनके पसंदीदा कपल ने सच में रिश्ता खत्म कर दिया है या कहानी में कुछ और भी है।

'मेरा इरादा किसी को आहत करने का नहीं था': विवाद पर बोले हनी सिंह!

नयी दिल्लीः रैपर यो यो हनी सिंह एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं। दिल्ली में हुए उनके एक शो का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद उन पर कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणियां करने का आरोप लगा है, जिसके चलते उन्हें ऑनलाइन तीखी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। वायरल क्लिप में हनी सिंह के बयान को अश्लील बताया गया है, जिस पर कई यूजर्स ने नाराज़गी जताई है।

इसके कुछ ही घंटों बाद हनी सिंह ने इंस्टाग्राम पर एक माफ़ी वाला वीडियो साझा कर अपना पक्ष रखा। हनी सिंह ने कहा कि वायरल वीडियो को संदर्भ से काटकर एडिट किया गया है, हालांकि उन्होंने यह

भी स्वीकार किया कि उससे कई लोगों को असहजता हुई। उन्होंने कहा, ' सुबह से इंस्टाग्राम पर मेरा एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसे इस तरह एडिट किया गया कि कई लोग आहत हो गए। मैं पूरी बात स्पष्ट करना चाहता हूं।'

अपनी सफ़ाई में उन्होंने बताया कि उनका उद्देश्य किसी को ठेस पहुंचाना नहीं था। हनी सिंह के अनुसार, कार्यक्रम से पहले उनकी मुलाकात कुछ प्रमुख स्त्री रोग विशेषज्ञों और सेक्सोलॉजिस्ट्स से हुई थी, जिन्होंने युवाओं में असुरक्षित यौन संबंधों के कारण बढ़ती यौन संचारित बीमारियों (एसटीडी) को लेकर चिंता जताई थी। यह बातचीत उनके मन में रह गई।

उन्होंने बताया कि ननकू और करुण के शो में बतौर अतिथि मौजूद रहते हुए, बड़ी संख्या में जेन ज़ी दर्शकों को देखकर उन्होंने सुरक्षित संबंधों का संदेश उसी भाषा में देने की कोशिश की, जैसी भाषा ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर प्रचलित है। हालांकि, उन्होंने माना कि अभिव्यक्ति का तरीका अनुचित था। हनी सिंह ने कहा, 'मुझे गहरा अफ़सोस है कि जिस तरीके से मैंने यह बात रखी, वह कई लोगों को स्वीकार्य नहीं लगी। जिन भी लोगों को ठेस पहुंची या अपमान महसूस हुआ, उनसे मैं दिल से माफ़ी मांगता हूं।' उन्होंने आगे आश्वासन दिया कि भविष्य में वह अपने शब्दों और अभिव्यक्ति को लेकर अधिक संयम और जिम्मेदारी बरतेंगे।

नोवाक जोकोविच ने अल्काराज़ -सिनर को बताया 'सबसे ताकतवर',ऑस्ट्रेलियन ओपन से पहले दी बड़ी चेतावनी

आगामी ऑस्ट्रेलियन ओपन से पहले, सर्बिया के दिग्गज नोवाक जोकोविच ने टूर्नामेंट में अपनी जीत की संभावनाओं पर भरोसा जताते हुए कहा कि जब वे स्वस्थ और अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में होते हैं, तो वे किसी को भी हरा सकते हैं। जोकोविच ने यह भी कहा कि स्टार टेनिस खिलाड़ी जानिक सिनर और कार्लोस अल्काराज़ इस समय पुरुष टेनिस में अपना दबदबा बनाए हुए हैं, लेकिन उनका मानना है कि अन्य खिलाड़ियों के लिए भी आगे बढ़ने का मौका है।

एटीपी टूर की वेबसाइट के अनुसार, जोकोविच ने कहा कि मुझे पता है कि जब मैं स्वस्थ होता हूं, जब मैं किसी भी दिन अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर पाता हूं, तो मुझे लगता है कि मैं किसी को भी हरा सकता हूं। अगर मुझमें यह आत्मविश्वास और आत्मविश्वास नहीं होता, तो मैं यहां बैठकर आप लोगों से बात नहीं कर रहा होता या प्रतियोगिता में भाग नहीं ले रहा होता। जोकोविच ने कहा कि मैं समझता हूँ कि सिनर और अल्काराज़ इस समय एक अलग ही स्तर पर खेल रहे हैं... लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि किसी और के पास मौका नहीं है। इसलिए मुझे हमेशा अपनी संभावनाओं पर भरोसा रहता है, किसी भी टूर्नामेंट में, खासकर यहाँ।

जोकोविच ओपन एरा में ग्रैंड स्लैम पुरुष एकल खिताब जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी और ओपन एरा में 38 या उससे अधिक उम्र में ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाले पहले पुरुष बनने की कोशिश कर रहे हैं। जोकोविच को सिनर और अल्काराज़ को हराना होगा, जिन्होंने 2023 यूएस ओपन में अपना 24वां खिताब जीतने के बाद से पिछले आठ ग्रैंड स्लैम खिताब आपस में बाँटे हैं। पिछले साल, जोकोविच चारों ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल में पहुँचे थे, लेकिन सिनर और अल्काराज़ उनके लिए बाधा बने रहे हैं। सर्बियाई दिग्गज ने सिनर और अल्काराज़ के दबदबे को स्वीकार करते हुए कहा कि वे जहाँ हैं, उसके वे पूरी तरह हकदार हैं, क्योंकि वे इस समय पुरुष टेनिस में सबसे ताकतवर खिलाड़ी हैं।

एक दिन' का रिलीज से पहले टीजर जारी

नयी दिल्ली। जुनैद खान और साई पल्लवी की रोमांटिक फिल्म 'एक दिन' का बहुप्रतीक्षित टीज़र जारी कर दिया गया है। टीजर 1 मिनट 8 सेकंड का है और इसमें फिल्म के प्रमुख किरदारों, जुनैद और साई पल्लवी, के बीच के गहरे और करीबी रिश्ते को उजागर किया गया है। कहानी में उनकी यात्रा दिखाई गई है, जिसमें वे नई जगहों पर जाते हैं और ज़िंदगी, भावनाओं और रिश्तों पर सोचते हैं। जुनेद और साई पल्लवी के बीच ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री तुरंत ध्यान खींचती है, जो फिल्म में रोमांस में गर्माहट और सच्चाई लाती है। उनकी नयी जोड़ी एक ऐसी कहानी का संकेत देती है जहां साधारण पल धीरे-धीरे एक सार्थक व ज़िंदगी बदलने वाले रिश्ते में बदल जाते हैं। फिल्म के टीजर की टैगलाइन 'वन लव, वन चांस' क्षणभंगुर पलों और दूसरी संभावनाओं के विषय पर जोर देती है। टीज़र की भावनात्मक गहराई को पृष्ठभूमि में बजने वाला इसका भावपूर्ण संगीत और बढ़ा देता है, जो फिल्म के रोमांटिक टोन को धीरे से बढ़ाता है। टीज़र को शेयर करते हुए निर्माताओं ने लिखा, 'कुछ कहानियों को समय की ज़रूरत नहीं होती।' इससे पहले गुरुवार को फिल्म का पहला पोस्टर भी जारी किया गया था, जिसके साथ कैप्शन था, 'ज़िंदगी की उथल-पुथल में, प्यार तुम्हें ढूंढ लेगाष्ठ एक दिन।'

पोस्टर में सर्दियों के आरामदायक माहौल के बीच जुनैद और साई पल्लवी को बर्फ से ढकी सड़क पर धीमी मुस्कराहट के साथ अगल-बगल चलते हुए दिखाया गया है तथा दोनों अपनी ही दुनिया में खोए हुए दिख रहे हैं, जो फिल्म के रोमांटिक माहौल को और मज़बूत करता है। 'एक दिन' जुनैद खान का लीड रोल में तीसरा बड़ा प्रोजेक्ट है

और इसमें साई पल्लवी बॉलीवुड में डेब्यू करेंगी। फिल्म का निर्देशन सुनील पांडे ने किया है और स्नेहा देसाई और स्पंदन मिश्रा ने इसकी कहानी लिखी है। आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले मंसूर खान, आमिर खान और अपर्णा पुरोहित ने इसे प्रोड्यूस किया है। फिल्म का संगीत राम संपत ने तैयार किया है, और गाने के बोल इरशाद कामिल ने लिखे हैं। यह फिल्म आगामी एक मई को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

पेरू के क्लब एलियांजा लीमा से जुड़ीं भारतीय फुटबॉलर मनीषा कल्याण

भारतीय महिला टीम की मिडफील्डर मनीषा कल्याण ने पेरू के क्लब एलियांजा लीमा से करार किया है। मनीषा को 2020-21 में 'इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द ईयर' और 2022-23 में 'प्लेयर ऑफ द ईयर' पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

उन्होंने पहले यूएफा महिला चैंपियंस लीग में खेलने वाली पहली भारतीय फुटबॉलर बनकर इतिहास रचा था। इस मील के पत्थर ने उनके अंतरराष्ट्रीय प्रोफाइल में इजाफा किया।

लीमा में स्थित पेरू के क्लब ने एक बयान में कहा, ''एलियांजा लीमा महिला टीम मनीषा कल्याण के करार करने की घोषणा करती है जो एक भारतीय मिडफील्डर हैं और टीम को मजबूत करेंगी। यह खिलाड़ी यूनान के पीएओके एफसी से आई हैं जहां वह यूरोपीय फुटबॉल के शीर्ष स्तर पर खेली हैं। '' इसमें आगे कहा गया है, ''कल्याण ने क्लब और राष्ट्रीय टीम दोनों स्तर पर शानदार प्रदर्शन किया है। उनके पेशेवर करियर में भारत, साइप्रस और यूनान की लीग में खेलने का अनुभव शामिल है। ''

क्लब में शामिल होने के बाद मनीषा ने कहा कि वह टीम के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा, ''मैं यहां आकर बहुत खुश हूं। मुझे उनका खेलने का स्टाइल बहुत पसंद है। मैं इस नई चुनौती को लेकर बहुत उत्साहित हूं। मेरा फोकस हमेशा शत प्रतिशत देने, हर मैच जीतने और टीम को उसके लक्ष्य हासिल करने में मदद करने पर है।

कपड़ा, दवा, इंजीनियरिंग क्षेत्रों को भारत-ईयू एफटीए से मिलेगा बड़ा बढ़ावाः निर्यातक

नई दिल्ली। भारत और यूरोपीय संघ के बीच आगामी मुक्त व्यापार समझौता भारतीय व्यापार और अर्थव्यवस्था के लिए एक ऐतिहासिक मोड़ साबित होने वाला है। निर्यातकों और उद्योग जगत के विशेषज्ञों का मानना है कि यह समझौता भारतीय उत्पादों के लिए यूरोपीय बाजारों के द्वार पूरी तरह खोल देगा। भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच होने वाले मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से कपड़ा, दवा, रसायन, इंजीनियरिंग सामान, रत्न और आभूषणों के निर्यात को जबरदस्त बढ़ावा मिलेगा।

इन क्षेत्रों को मिलेगा सबसे बड़ा लाभ

FTA के लागू होने से भारत के कई प्रमुख क्षेत्रों में निर्यात की संभावनाओं को नई उड़ान मिलेगीः

कपड़ा और परिधानः वर्तमान में भारतीय कपड़ा उद्योग को यूरोपीय बाजार में कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ता है। शुल्क समाप्त होने से भारतीय कपड़े वैश्विक स्तर पर अधिक प्रतिस्पर्धी हो जाएंगे।

दवा और रसायनः गुणवत्ता और लागत के मामले में भारतीय दवाएं पहले से ही अग्रणी हैं। FTA से यूरोपीय स्वास्थ्य क्षेत्र में भारत की पैठ और गहरी होगी।

इंजीनियरिंग और मशीनरीः इंजीनियरिंग सामानों के लिए यूरोप एक बड़ा खरीदार है। शुल्क मुक्त व्यापार से इस क्षेत्र में निवेश और उत्पादन बढ़ेगा।

रत्न और आभूषणः भारतीय कारीगरी और रत्न यूरोपीय ग्राहकों के बीच बेहद लोकप्रिय हैं, जिन्हें अब और बड़ा बाजार मिलेगा।

निर्यतकों ने यह उम्मीद जताई। इस समझौते के लिए वार्ता पूरी होने की घोषणा 27 जनवरी को हो सकती है। उद्योग का अनुमान है कि एफटीए के कारण शुल्क समाप्त होने से अगले तीन वर्षों में यूरोपीय संघ को होने वाला निर्यात दोगुना हो जाएगा।

निर्यातकों ने उल्लेख किया कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच यह समझौता निर्यातकों के लिए एक स्थिर ढांचा प्रदान करेगा।

इससे भारतीय कंपनियां दीर्घकालिक निवेश की योजना बना सकेंगी और यूरोपीय मूल्य श्रृंखला से जुड़कर बाजार तक पहुंच सुरक्षित कर सकेंगी। परिधान निर्यात संवर्धन परिषद के चेयरमैन ए शक्तिवेल ने कहा, यह एफटीए किसी एक बाजार पर हमारी निर्भरता को कम करने के लिहाज से एक बड़ा बदलाव लाने वाला साबित होगा।

उन्होंने आगे कहा कि भारतीय वस्तुओं पर अमेरिकी शुल्क बहुत अधिक होने के कारण घरेलू निर्यातकों को उच्च लागत और प्रतिस्पर्धा में कमी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में वे अपने निर्यात बाजार में विविधता लाने की कोशिश कर रहे हैं।कानपुर स्थित ग्रोमोर इंटरनेशनल के प्रबंध निदेशक यदुवेंद्र सिंह सचान ने कहा कि घरेलू चमड़ा निर्यातकों को इस अवसर का उपयोग निर्यात बढ़ाने के लिए करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि यह एफटीए भारतीय निर्यातकों के लिए बड़ा बदलाव लाएगा। भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) ने कहा कि अमेरिकी शुल्कों में भारी वृद्धि भारतीय निर्यातों के एक बड़े दायरे को प्रभावित कर रही है, जिससे निर्यात बाजारों और व्यापार रणनीतियों में विविधीकरण को बढ़ावा देने की जरूरत का पता चलता है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 श्रृंखला से बाहर हुए वाशिंगटन, बिश्नोई और अय्यर टीम में शामिल

नागपुर। लेग-स्पिनर रवि बिश्नोई को शुक्रवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला के लिए भारत की टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में चोटिल ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर की जगह शामिल किया गया। वाशिंगटन 21 जनवरी से नागपुर में शुरू होने वाली सीरीज में नहीं खेल पाएंगे। अनुभवी बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को भी न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय के लिए टीम में शामिल किया गया है क्योंकि तिलक वर्मा कमर की मांसपेशियों में खिंचाव (साइड स्ट्रेन) के कारण बाहर हो गए हैं।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक बयान में कहा, ''ऑलराउंडर (वाशिंगटन) न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी आईडीएफसी फर्स्ट बैंक टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला से बाहर हो गए हैं। पुरुष चयन समिति ने रवि बिश्नोई को उनके स्थान पर नामित किया है। ''

बिश्नोई ने 42 टी20 अंतरराष्ट्रीय में 61 विकेट लिए हैं जिनमें से आखिरी मैच फरवरी 2025 में इंग्लैंड के खिलाफ खेला था। बीसीसीआई ने कहा, ''वाशिंगटन सुंदर ने 11 जनवरी को वडोदरा के बीसीए स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे के दौरान गेंदबाजी करते समय पसली के क्षेत्र में तेज दर्द की शिकायत की थी जिसके बाद उनका स्कैन कराया गया। ''

वाशिंगटन अब ठीक होने के लिए बीसीसीआई के 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' जाएंगे। इसमें कहा गया, ''इसके बाद एक विशेषज्ञ से व्यक्तिगत रूप से सलाह ली गई। उन्हें 'साइड स्ट्रेन' का पता चला है और उन्हें कुछ दिनों के आराम की सलाह दी गई है जिसके बाद वह अपनी चोट के आगे के इलाज के लिए बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिपोर्ट करेंगे। ''

भारत की अपडेट हुई टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम इस प्रकार हैः सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (पहले तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय), हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल (उप-कप्तान), रिंकू सिंह, जसप्रीत बुमराह, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, ईशान किशन (विकेटकीपर), रवि बिश्नोई।

रिलायंस इंडस्ट्रीज का शुद्ध लाभ तीसरी तिमाही में मामूली बढ़कर 18,645 करोड़ रुपये पर

विभिन्न कारोबार से जुड़ा रिलायंस इंडस्ट्रीज लि. का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में मामूली बढ़कर 18,645 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने इकाइयों का प्रदर्शन अच्छा रहा। मौजूदा वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में इसका शुद्ध लाभ

शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि खुदरा कारोबार में कमजोर रुख ने अन्य क्षेत्रों में हुए लाभ को बेअसर कर दिया।

कंपनी के अनुसार, जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाये जाने के कारण खुदरा कारोबार में धीमी वृद्धि देखने को मिली। हालांकि इसके ऊर्जा और डिजिटल 18,645 करोड़ रुपये रहा, जबकि एक वर्ष पहले यह 18,540 करोड़ रुपये था। परिचालन राजस्व आलोच्य तिमाही में बढ़कर 2.69 लाख करोड़ रुपये हो गया जो एक साल पहले इसी तिमाही में 2.43 लाख करोड़ रुपये था।

पश्चिम रेलवे – रतलाम मंडल

W/623/5/1/NIT — **ई-टेण्डरिंग नोटिस** — दिनांक: 15.01.2026

मण्डल रेल प्रबंधक/मण्डल कार्यालय (कार्यलेखा शाखा) पश्चिम रेलवे रतलाम भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिये "खुली निविदा" ई-निविदा के माध्यम से वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर आमंत्रित करते है। विवरण इस प्रकार है-

क्र. सं.	ई-टेंडरिंग संख्या और कार्य का नाम	अनुमानित लागत रू	बयाना राशि रू	कार्य समापन अवधि
1	**RTM-2025-26-141**	**77,58,980.89**	**1,55,200.00**	8 Months
	Nagda-Bhopal Section- Improvement to TRD Depot Building (3 NOS.), SP (3 NOS.), SSP (10 NOS.) and TSS (5 NOS.) work under jurisdiction DEN (South) Section in connection with work of Reconstruction of old Dilapidated TSS, SP, SSP & TRD depots buildings. **Similar type of work: Any Civil Engineering Work.**			
2	**RTM-2025-26-161**	**2,07,07,975.17**	**2,53,600.00**	10 Months
	Ujjain Station - Construction of new SSE (P.Way) North Ujjain office and store including with electrical work. **Similar type of work: Construction of buildings work.**			
3	**RTM-2025-26-162**	**2,05,01,275.32**	**2,52,600.00**	10 Months
	Dewas - Construction of new SSE (P.Way) office and store including with electrical work. **Similar type of work: Construction of buildings work.**			
4	**RTM-2025-26-163**	**4,29,57,177.67**	**3,64,800.00**	18 Months
	Ratlam Division - Providing new Type-IV quarter -6 Nos., Type-III -6 Nos. & Type-II -4 Nos under ADEN (West) Ujjain including Electrical Work (Total 16 Nos.). **Similar type of work: Construction of buildings work.**			
5	**RTM-2025-26-170**	**4,44,28,834.72**	**3,72,200.00**	18 Months
	Ratlam Division - Providing Type II quarter at Naikheri-16 No. and Pingleshwar-06 No (Total 22 Nos.) in connection Simhashth 2028 including Electrical Work. **Similar type of work: Construction of buildings work.**			

वेबसाईट पर अपलोड करने की तिथि: 15.01.2026. निविदा खुलने की तिथि: 11.02.2026. विस्तृत निविदा सूचना,अर्हता शर्तें एवं अन्य शर्तें वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। DE/5/1/420

हमें लाईक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फॉलो करें: X.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे – रतलाम मंडल

ई-निविदा सूचना

निम्न कार्य के लिए मंडल रेल प्रबंधक (एसएण्डटी) पश्चिम रेलवे रतलाम द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से व उनके लिये E-निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। **निविदा संख्या.: SnT-RTM-25-Tele-18, दिनांक : 15.01.2026. कार्य का नाम:** निम्नलिखित के संबंध में दूरसंचार सामग्री की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण, कमीशनिंग "उज्जैन - सिंहस्थ 2028 के संबंध में दूरसंचार यात्री सुविधाओं और विभिन्न सुविधाओं का उन्नयन और प्रतिस्थापन।" **कार्य की अनुमानित लागत:** रु. 9,31,75,445.41/- (रुपये नौ करोड इकतीस लाख पचहत्तर हजार चार सौ पैतालीस और इकतालीस पैसे)। **निविदा फार्म का मूल्य:** शून्य। **बयाना राशि:** रु. 6,15,900/-. **कार्य पूरा करने की अवधि:** बारह (12) महीने। **E-निविदा जमा करने के लिये बंद करने का समय एवं दिनांक:** दिनांक 18.02.2026 समय 15:00 बजे तक। **E-निविदा खुलने का समय एवं दिनांक:** दिनांक 18.02.2026 समय 15:30 बजे के बाद। **वैधता:** निविदा खुलने की दिनांक से 60 दिन। यह टैंडर **https://www.ireps.gov.in** वेबसाइट पर देखा जा सकता है। निविदाकार के पास Class-III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होने चाहिए और IREPS Portal पर पंजीकृत होना चाहिए। केवल पंजीकृत निविदाकार ही e-tendering में भाग ले सकते है। सभी संबंधित दस्तावेज e-tendering में भाग लेने के समय अपलोड करने होंगे।

DE/6/1/419

हमें लाईक करें: facebook.com/WesternRly

ज़हरीले पानी के पीड़ितों से मिले राहुल गांधी, बोले- आपके न्याय के लिए लड़ेंगे

इंदौर । कांग्रेस सांसद राहुल गांधी शनिवार को इंदौर पहुंचे और शहर में कथित तौर पर दूषित पानी के संकट के कारण जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों से मुलाकात की। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने इंदौर के बॉम्बे अस्पताल का भी दौरा किया और दूषित पानी से पीड़ित मरीजों और उनके परिवारों से मुलाकात की, जिनका वहां इलाज चल रहा है। कांग्रेस नेता का यह दौरा प्रभावित परिवारों के प्रति एकजुटता व्यक्त करने और जमीनी हालात को समझने के उद्देश्य से किया गया है। गांधी ने दूषित पानी की घटना से प्रभावित परिवारों से मिलने के लिए भागीरथपुरा इलाके का भी दौरा किया।

कांग्रेस ने एक पोस्ट साझा करते हुए लिखा कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी इंदौर पहुंच गए हैं। यहां वे दूषित पानी से बीमार हुए लोगों और भागीरथपुरा इलाके के प्रभावित परिवारों से मुलाकात करेंगे। मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने आज राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर 'आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति' करने का आरोप लगाया। एएनआई से बात करते हुए उन्होंने कहा कि अगर भाजपा, जिसने मध्य प्रदेश पर 20 वर्षों से अधिक समय तक शासन किया है, अपनों को खोने वालों का दर्द नहीं समझ सकती, तो राहुल गांधी समझेंगे।

पटवारी ने कहा कि इंदौर में जहरीले पानी से 24-25 लोगों की मौत हो गई है। मध्य प्रदेश सरकार, मध्य प्रदेश मंत्रिमंडल और हमारे मुख्यमंत्री - ये सभी आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति में लगे हुए हैं। राज्य में 20 वर्षों से अधिक समय से भाजपा का शासन है, इंदौर शहर में लगभग 25 वर्षों से भाजपा के नेतृत्व वाली नगर निगम है और 30 वर्षों से अधिक समय से भाजपा सांसद इंदौर निर्वाचन क्षेत्र से शासन कर रही है। लेकिन शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने में विफल रहने के बावजूद यहां लोगों की जान गई। अगर ये लोग (भाजपा) उस दर्द को नहीं समझ सकते, तो राहुल गांधी समझेंगे।

उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नए भारत में, जहां लोगों को पीने का पानी तक उपलब्ध नहीं कराया जा सकता, वहां पूरे देश में सवाल उठने चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि इस अवसर पर कांग्रेस इंदौर में स्वच्छ हवा और स्वच्छ पेयजल सुनिश्चित करने के लिए न्याय और समाधान की मांग करेगी। इंदौर के भागीरथपुरा में पानी दूषित होने की घटना ने व्यापक निंदा को जन्म दिया है, क्योंकि इसमें कई लोगों की जान चली गई और कई परिवार प्रभावित हुए।

इससे पहले, मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मृतकों के परिवारों को 2 लाख रुपये की वित्तीय सहायता और सभी प्रभावित लोगों के लिए मुफ्त इलाज की घोषणा की थी।

सुनंदा बसुः आध्यात्मिक उपचार की एक शांत शक्ति जो हजारों जिंदगियों को छू रही है

ऐसे समय में जब आधुनिक जीवन में तनाव, भावनात्मक थकान और अंदरूनी खालीपन बढ़ता जा रहा है, आध्यात्मिक उपचार संतुलन और आत्म-नवीनीकरण की दिशा में एक शक्तिशाली मार्ग के रूप में उभरा है। इस क्षेत्र में लगातार पहचान बनाने वाले नामों में से एक हैं सुनंदा बसु, एक आध्यात्मिक थेरेपिस्ट और हीलर, जिनके काम ने भारत और विदेशों में हजारों लोगों की जिंदगियों को चुपचाप बदल दिया है।

व्यक्तिगत संघर्ष से आंतरिक जागृति तक

सुनंदा बसु की आध्यात्मिक उपचार की यात्रा एक पेशे के रूप में शुरू नहीं हुई, बल्कि जवाबों की एक व्यक्तिगत खोज के रूप में शुरू हुई। कई लोगों की तरह, उन्हें भी आत्म-संदेह, भावनात्मक आघात, स्वास्थ्य चुनौतियों और वित्तीय अनिश्चितता के दौर का सामना करना पड़ा। वह बताती हैं कि ये संघर्ष अनसुलझे भावनात्मक और अवचेतन रुकावटों के कारण थे।

सालों तक गहन आंतरिक कार्य, ध्यान और आध्यात्मिक अभ्यास के माध्यम से, उन्होंने इन मूल मुद्दों को पहचानना और ठीक करना सीखा। इस आंतरिक परिवर्तन ने न केवल उनके अपने जीवन की दिशा बदली, बल्कि उनके उद्देश्य को भी आकार दिया - दूसरों को इसी तरह की उपचार यात्राओं में मार्गदर्शन देना।

बचपन से ही एक स्वाभाविक आध्यात्मिक माध्यम

उनके काम से परिचित लोगों के अनुसार, सुनंदा बसु ने बचपन से ही मजबूत सहज ज्ञान और आध्यात्मिक संवेदनशीलता दिखाई है। समय के साथ, यह सहज जागरूकता एक अनुशासित आध्यात्मिक अभ्यास में विकसित हुई। आज, वह एक दिव्य माध्यम के रूप में काम करती हैं, व्यक्तियों को उनकी आंतरिक चेतना और उच्च जागरूकता से फिर से जुड़ने में मदद करके उपचार की सुविधा प्रदान करती हैं।

वह अक्सर अपनी भूमिका को एक 'खोखली नली' के रूप में बताती हैं, जो दूसरों के लाभ के लिए दिव्य ऊर्जा और ज्ञान को अपने माध्यम से प्रवाहित होने देती है। उनके सत्रों में ध्यान संबंधी मार्गदर्शन के साथ-साथ आघात-सूचित और दैहिक उपचार तकनीकों का संयोजन होता है, जो भावनात्मक और आध्यात्मिक कल्याण के लिए एक समग्र दृष्टिकोण प्रदान करता है।

उपचार के लिए एक समग्र दृष्टिकोण

सुनंदा की दिव्य ऊर्जा उपचार के माध्यम से, वह पूरक उपचार पद्धतियों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करती हैं। इनमें इनर चाइल्ड हीलिंग, रेकी, एक्सेस बार्स चेतना उपचार, पिछले और वर्तमान जीवन प्रतिगमन, न्यूरोथेरेपी, एक्यूप्रेशर, साइकिक सर्जरी, धन प्रचुरता उपचार और दूरस्थ उपचार शामिल हैं।

वन-ऑन-वन ??सत्रों के अलावा, उनका संगठन दैनिक मुफ्त ध्यान कार्यक्रम, नियमित वेबिनार और दीर्घकालिक व्यक्तिगत विकास के उद्देश्य से संरचित आध्यात्मिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित करता है।

सीमाओं से परे प्रभाव

पिछले कुछ वर्षों में, सुनंदा बसु का काम दुनिया भर में 10,000 से अधिक लोगों तक पहुंचा है। क्लाइंट और प्रतिभागी भावनात्मक स्वास्थ्य, रिश्तों, शारीरिक कल्याण, वित्तीय स्पष्टता और समग्र जीवन दिशा में सकारात्मक बदलाव की रिपोर्ट करते हैं। उनके कई स्टूडेंट्स ने भी उनके गाइडेंस में अपनी सहज क्षमताओं को एक्सप्लोर किया है।

उनका काम सिर्फ़ लक्षणों से राहत देने पर फोकस नहीं करता, बल्कि गहरे बदलाव पर करता है - भावनात्मक, मानसिक और एनर्जी के असंतुलन के मूल कारणों को ठीक करना।

सचेत जीवन जीने का एक विज़न

सुनंदा बसु मानती हैं कि आध्यात्मिकता रोज़मर्रा की ज़िंदगी से अलग नहीं है, बल्कि उससे गहराई से जुड़ी हुई है। उनका विज़न लोगों को सचेत रूप से जीने में मदद करने पर केंद्रित है - भावनात्मक बोझ से मुक्त और अपनी सच्ची क्षमता के साथ तालमेल बिठाकर। जैसे-जैसे अल्टरनेटिव हीलिंग और अंदरूनी भलाई में लोगों की दिलचस्पी बढ़ रही है, सुनंदा बसु जैसे प्रैक्टिशनर प्राचीन आध्यात्मिक ज्ञान को आधुनिक इंसानी चुनौतियों से जोड़ने में तेज़ी से महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। चुपचाप और लगातार, उनका काम उन लोगों के जीवन पर एक स्थायी छाप छोड़ रहा है जो हीलिंग, स्पष्टता और मकसद की तलाश में हैं।

ईरान और गाजा में शांति बहाली को लेकर शशि थरूर ने जताई राहत, कहा- सकारात्मक संकेत से जागी आशा

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने ईरान और गाजा में बढ़ते तनाव को लेकर हाल की स्थिति पर अपनी चिंता और उम्मीद व्यक्त की। थरूर ने कहा कि हाल ही में दो सकारात्मक संकेत सामने आए हैं, जो आशा जगाते हैं। उन्होंने बताया कि ईरान में पहले से घोषित 800 से अधिक फांसी की सजा को अधिकारियों ने रद्द कर दिया है।

इसके अलावा, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिलहाल किसी भी सैन्य हमले को रोकने का निर्णय लिया है। थरूर ने कहा कुछ हद तक यह एक सकारात्मक संकेत है कि तनाव कम हो सकता है। गल्फ देशों में भी भू-राजनीतिक प्रभाव को लेकर कुछ चिंता है, जो स्थिति को नियंत्रण से बाहर होने से रोक सकती है। मेरी आंतरिक भावना है कि हम शायद एक मोड़ पर आ गए हैं, लेकिन हमारे पास 100इ सटीक जानकारी नहीं है।

गाजा की स्थिति पर भी जताई चिंता

शशि थरूर ने गाजा की स्थिति पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि गाजा में शांति अब एक 'दूसरे चरण' में प्रवेश कर चुकी है, लेकिन हमले अभी भी जारी हैं और लोग हर दिन मारे जा रहे हैं। थरूर ने कहा अभी तक यह सभी के लिए शांतिपूर्ण स्थिति नहीं है। हम अभी तक हमास के निरस्त्रीकरण की प्रक्रिया पर कोई सटीक जानकारी नहीं पा सके हैं। स्थिति अत्यंत तनावपूर्ण है और इसे सामान्य शांति की स्थिति नहीं कहा जा सकता। हमें उम्मीद करनी चाहिए कि यह स्थिति सुधरे, क्योंकि गाजा के लोग काफी कष्ट झेल चुके हैं।

कश्मीर में कड़ाके की ठंड जारी, अगले कुछ दिनों में बारिश और बर्फबारी का अनुमान

श्रीनगर। कश्मीर में न्यूनतम तापमान में गिरावट आने से यहां ठंड का प्रकोप और बढ़ गया हैं। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों में विशेष रूप से घाटी के ऊपरी इलाकों में बारिश या बर्फबारी का अनुमान जताया है।

विभाग के अनुसार, श्रीनगर में शुक्रवार रात न्यूनतम तापमान शून्य से 3.2 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जो पिछली रात दर्ज किए गए तापमान (शून्य से 1.5 डिग्री सेल्सियस नीचे) की तुलना में कम है।

दक्षिण कश्मीर का शोपियां, घाटी का सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां पारा गिरकर शून्य से 5.6 डिग्री सेल्सियस नीचे तक पहुंच गया। वहीं, पहलगाम में न्यूनतम तापमान शून्य से 2.6 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जो पिछली रात के तापमान के बराबर ही था। इसके अलावा, उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले के गुलमर्ग में तापमान शून्य से 4.2 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा, जो पिछली रात के दर्ज तापमान(शून्य से 2.3 डिग्री सेल्सियस नीचे) के मुकाबले कम था।

मौसम विभाग के अधिकारियों के अनुसार, मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले के सोनमर्ग में न्यूनतम तापमान शून्य से 2.9 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। शुक्रवार को यहां मध्यम बर्फबारी भी हुई थी।

मौसम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि घाटी के प्रवेश द्वार काजीगुंड में पारा शून्य से 3.4 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा। वहीं, कोकरनाग में न्यूनतम तापमान शून्य से दो डिग्री सेल्सियस नीचे और कुपवाड़ा में शून्य से 2.2 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। कश्मीर घाटी में इस समय 'चिल्ला-ए-कलां' का दौर जारी है, जो 40 दिन की भीषण ठंड की अवधि होती है।

राज्यसभा में दशकों से अटके हैं विधेयक, 19 की सूची; 34 साल पुराना बिल भी शामिल

नई दिल्ली। भारतीय संसदीय व्यवस्था में राज्यसभा एक 'स्थायी सदन' की भूमिका निभाती है। वर्तमान में यहां 19 सरकारी विधेयक लंबित हैं। इनमें से कुछ तो दशकों पुराने हैं। इसमें सबसे पुराना विधेयक जनसंख्या नियंत्रण से जुड़ा हुआ है, जिसे साल 1992 में पेश किया गया था। चूंकि राज्यसभा एक स्थायी सदन है जो कभी भंग नहीं होता। इसलिए यहां पेश किए गए विधेयक स्वतः समाप्त नहीं होते। राज्यसभा के एक तिहाई सदस्य हर दो वर्ष में सेवानिवृत्त होते हैं, जबकि लोकसभा के भंग होने पर वहां लंबित सभी विधेयक खत्म नहीं होता।

कौन-कौन से बिल है लंबित?

सदन के एक बुलेटिन के मुताबिक, सबसे पुराना 'संविधान (79वां संशोधन) विधेयक 1992' है। इस बिल में छोटे परिवार के नियम को बढ़ावा देने और इसे मौलिक कर्तव्य बनाने की बात कही गई थी। इसमें यह भी प्रस्ताव था कि अगर किसी सांसद या विधायक के दो से ज्यादा बच्चे हों, तो उसे अयोग्य घोषित कर दिया जाए।

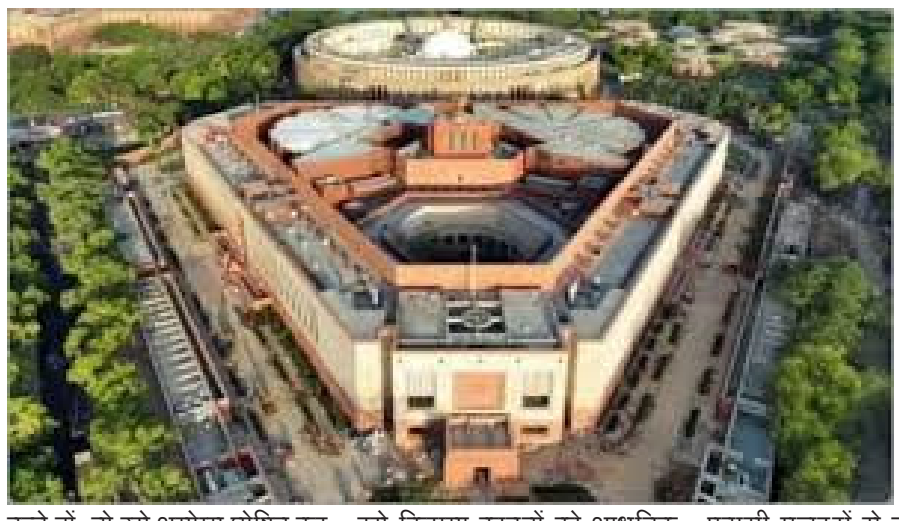

ये बिल भी है लंबित

लंबित विधेयकों में 'दिल्ली किराया (संशोधन) विधेयक 1997' भी है। इसे किराया कानूनों को आधुनिक बनाने के लिए लाया गया था, लेकिन मकान मालिकों और किराएदारों ने इसका काफी विरोध किया। इसके अलावा 'बीज विधेयक 2004' भी अटका है, जिसका मकसद बीजों की गुणवत्ता सुधारना था। सरकार अब इसकी जगह बीज विधेयक 2025 लाने की तैयारी कर रही है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे जब श्रम मंत्री थे, तब 2011 में प्रवासी मजदूरों से जुड़ा एक बिल पेश हुआ था, वह भी अभी पास नहीं हुआ है। यूपीए सरकार के समय 2013 में पेश किए गए निर्माण मजदूरों, रोजगार कार्यालय और एससी-एसटी प्रतिनिधित्व से जुड़े बिल भी लंबित हैं।

एनडीए के भी बिल हैं लंबित

मौजूदा एनडीए सरकार के समय पेश किए गए लंबित विधेयकों में संविधान (एक सौ पच्चीसवां संशोधन) विधेयक 2019 प्रमुख है, जिसका उद्देश्य असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम में स्वायत्त परिषदों की वित्तीय और कार्यकारी शक्तियों को बढ़ाना तथा पूर्वोत्तर में आदिवासी स्वायत्तता को मजबूत करना है। इसी श्रेणी में अनिवासी भारतीयों के विवाह के पंजीकरण से जुड़ा विधेयक 2019 भी शामिल है। राज्यसभा में सबसे नया लंबित विधेयक कीटनाशक प्रबंधन विधेयक 2020 है, जो देश में कीटनाशकों के नियमन और सुरक्षित उपयोग से संबंधित है।

सुरक्षित वतन लौटे संकट में फंसे भारतीय, परिजनों से मिल छलके जज्बात; बयां किए ईरान के खौफनाक मंजर

नई दिल्ली। ईरान में बिगड़ते सुरक्षा हालात के बीच शनिवार तड़के दिल्ली एयरपोर्ट पर राहत और भावुक पुनर्मिलन के दृश्य देखने को मिले। जैसे ही ईरान से लौटे भारतीय नागरिकों के विमान उतरे, बाहर इंतजार कर रहे परिजनों ने अपने अपनों को गले लगा लिया। किसी ने फूलों की माला पहनाई तो कहीं पिता ने बेटी को सीने से लगाकर राहत की सांस ली, आंखों में आंसू और चेहरे पर मुस्कान साफ झलक रही थी।

इंदिरा गांधी हवाई अड्डे पर परिवार करे रहे थे इंतजार शुक्रवार रात से ही इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के आगमन टर्मिनल के बाहर परिवारों की भीड़ जुटी थी। हर यात्री समूह को उत्सुक निगाहों से देखा जा रहा था, इस उम्मीद में कि शायद अगला चेहरा उनका अपना हो।

छात्रों ने बताया कि ईरान के हालात बेहद तनावपूर्ण

ईरान से लौटे कई छात्रों ने वहां के हालात को बेहद तनावपूर्ण बताया। एक छात्रा ने कहा कि सड़कों पर माहौल असहज था और इंटरनेट बंद होने से वे पूरी तरह अलग-थलग महसूस कर रहे थे। भारत पहुंचकर परिवार को सामने देखना उनके लिए सुरक्षा और राहत का अहसास लेकर आया।

एक अन्य छात्र शाजिद ने बताया कि अनिश्चित हालात और संचार की कमी ने चिंता बढ़ा दी थी। यात्रा व्यवस्था की जानकारी मिलते ही राहत महसूस हुई और घर लौटकर परिवार से मिलना बेहद सुकून देने वाला रहा।

शिराज के एक मेडिकल कॉलेज में पढ़ने वाली छात्रा ने बताया कि इंटरनेट बंद होने के कारण देशभर की स्थिति की सही जानकारी नहीं मिल पा रही थी, हालांकि उनके शहर में हालात अपेक्षाकृत ठीक थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे वाणिज्यिक उड़ान से अपने स्तर पर लौटी हैं।

भारतीय दूतावास की मदद से राहत मिली- परिजन

परिजनों ने बताया कि इंटरनेट ब्लैकआउट के दौरान उनकी चिंता चरम पर पहुंच गई थी। बाद में भारतीय दूतावास द्वारा संपर्क बहाल किए जाने और मदद शुरू होने से राहत मिली। विदेश मंत्रालय के अनुसार, ईरान में करीब 9,000 भारतीय नागरिक रह रहे हैं, जिनमें अधिकांश छात्र हैं। सरकार ने हालात सामान्य होने तक ईरान की यात्रा से बचने और उपलब्ध साधनों से देश छोड़ने की सलाह दी है।

घर देने का वादा, 600 करोड़ रुपये एकत्रित, 2000 लोगों को नहीं मिला आशियाना, रडार पर हरियाणा के पूर्व विधायक

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), गुरुग्राम क्षेत्रीय कार्यालय ने फरीदाबाद, पलवल, भिवाड़ी आदि में रियल एस्टेट धोखाधड़ी के संबंध में पीयूष ग्रुप ऑफ कंपनीज और उसके पूर्व प्रवर्तकों के खिलाफ पीएमएलए, 2002 के तहत तलाशी अभियान चलाया है। तलाशी में पूर्व प्रवर्तकों, वर्तमान समाधान पेशेवरों, निदेशकों और हरियाणा के पूर्व विधायक महेंद्र प्रताप सिंह के परिसर शामिल थे। इन सभी ने मिलकर हजारों लोगों को समय पर घर देने का वादा किया। 600 करोड़ रुपये एकत्रित कर लिए गए। बाद में 2000 से अधिक लोगों को आशियाना नहीं मिला। लोगों को उनके पैसे भी वापस नहीं मिल सके। उक्त रियल एस्टेट कंपनी के संचालकों के अलावा ईडी के रडार पर हरियाणा के पूर्व विधायक महेंद्र प्रताप चौधरी भी हैं।

ईडी के मुताबिक, उक्त कंपनी और विधायक, एक संयुक्त उद्यम (जेवी) के माध्यम से वाणिज्यिक परियोजना में भागीदार हैं। संदेह है कि इस परियोजना का निर्माण अन्य परियोजनाओं से निकाले गए गृह खरीदारों के धन से किया गया है। लंबे समय तक देरी होने के बाद भी लोगों को उनकी प्रॉपर्टी का कब्जा नहीं दिया गया। उनका रिफंड भी नहीं किया गया। एफआईआर में दस्तावेजों की हेराफेरी और जालसाजी की बात सामने आई। यह कार्रवाई आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) सहित विभिन्न जांच एजेंसियों द्वारा दर्ज की गई कई एफआईआर पर आधारित है। इसमें धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात, जालसाजी, आपराधिक साजिश और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए हैं।

एफआईआर में आरोप लगाया गया है कि प्रमोटरों ने निवेशकों और घर खरीदारों को सुनिश्चित रिटर्न और समय पर कब्जा दिलाने का वादा करके विभिन्न परियोजनाओं में निवेश करने के लिए प्रेरित किया। हालांकि, पर्याप्त बुकिंग राशि वसूलने के बावजूद, परियोजनाएं काफी हद तक अधूरी रहीं। लंबे समय तक देरी के बाद भी लोगों को घर नहीं दिया गया। उन्हें रिफंड भी नहीं मिल सका। एफआईआर में दस्तावेजों की हेराफेरी और जालसाजी, एक ही यूनिट का कई खरीदारों को आवंटन और बैंक की सहमति के बिना गिरवी रखी जमीन की धोखाधड़ी से बिक्री का भी आरोप है।

दोनों कंपनियां वर्तमान में पलवल, फरीदाबाद, भिवाड़ी, धारूहेड़ा और अन्य स्थानों पर अधूरी परियोजनाओं के लिए दिवालियापन की कार्यवाही से गुजर रही हैं। तलाशी के दौरान प्राप्त प्रारंभिक सामग्री से पता चला है कि समूह ने 2010 से 2018 के बीच 600 करोड़ रुपये से अधिक की रकम एकत्र की। बताया जाता है कि 2,000 से अधिक घर खरीदार/पीड़ित प्रभावित हुए हैं। कई परियोजनाओं के भौतिक निरीक्षण से पता चला है कि निर्माण कार्य या तो बहुत पहले रुक गया था या 50इ से भी कम पूरा हुआ था।

पीयूष समूह, जिसकी स्थापना दिवंगत अनिल गोयल और उनके पुत्रों दिवंगत पुनीत गोयल और अमित गोयल ने की थी, हरियाणा और राजस्थान में आवासीय और वाणिज्यिक रियल एस्टेट विकास के क्षेत्र में कार्यरत था। समूह ने पलवल, फरीदाबाद, भिवाड़ी, धारूहेड़ा और अन्य स्थानों पर कई परियोजनाएं शुरू कीं। समूह की प्रमुख कंपनियां, जिनमें पीयूष कॉलोनाइजर्स लिमिटेड और पीयूष शेल्टर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड शामिल हैं, कॉर्पोरेट दिवालियापन समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) में शामिल की गईं। सीआईआरपी के दौरान, फोरेंसिक ऑडिट से धन के बड़े पैमाने पर गबन का संकेत मिला।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 **Twitter:** https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 **Mobile No:** 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)